

हल्द्वानी नर्सिंग कॉलेज में फिर रैगिंग, छात्र दाखिले के अगले दिन ही घर लौटा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित राजकीय नर्सिंग कॉलेज में रैगिंग का एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। उधमपुर (जम्मू-कश्मीर) के एक छात्र ने 5 अक्टूबर को दाखिला लिया और अगले ही दिन कॉलेज छोड़ दिया। उसने कॉलेज प्रशासन को सौंपे शिकायत पत्र में सीनियर्स पर बॉस कहलवाने, अभद्रता व गाली-गलौज का आरोप लगाया है। छात्र के अनुसार, सीनियर्स ने दाखिले वाले दिन ही उसे अपने कमरे में बुलाकर बॉस कहलवाया, अभद्रता की और गाली-गलौज भी की। इस घटना से आहत छात्र ने दाखिला रद्द करने का अनुरोध करते हुए शिकायती पत्र सौंपकर घर का रुख किया। प्राचार्य ने शिकायत की पुष्टि करते हुए मामले को गंभीरता से लेने और गहन जांच के बाद सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि जिस मेडिकल कॉलेज परिसर में नर्सिंग कॉलेज संचालित होता है, वह रैगिंग के लिए बदनाम रहा है। मार्च 2022 में सिर मुंडवाने, दिसंबर 2022 में मुर्गा बनाने और मार्च 2024 में पांच छात्रों के निष्कासन जैसे मामले सामने आ चुके हैं।

सेना पर आईएसआई की संध, दो सैन्यकर्मी समेत तीन गिरफ्तार

फरीदकोट (एजेंसी)। देश की सुरक्षा से जुड़े एक गंभीर मामले में इंटेलिजेंस विंग के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, फाजिल्का ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी सेना को गोपनीय सूचनाएं साझा करने का आरोप है। फाजिल्का के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल द्वारा 8 अक्टूबर को दर्ज एफआईआर के अनुसार, दिलप्रीत सिंह, राजबीर सिंह (दोनों सैन्यकर्मी) और गुरनूर सिद्धू (महिला) को नामजद किया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों सैन्यकर्मी भारत-चीन सीमा पर तैनात थे। इन पर ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट, 1923 के तहत कार्रवाई की गई है। यह मामला देश की सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि इसमें भारतीय सेना के कर्मियों पर सीधे तौर पर दुश्मन देश को संवेदनशील जानकारी देने का आरोप है। जांच एजेंसियां अब उन गोपनीय सूचनाओं का पता लगा रही हैं जो कथित तौर पर साझा की गईं, साथ ही अन्य संभावित सलिस व्यक्तियों की भी तलाश जारी है। फिलहाल, आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

शारदीय नवरात्रि पर रजनीकांत के फैन ने 230 तस्वीरों से सजाया मंदिर

-दिल्ली में पहले दिन श्रद्धालुओं ने झंडेवालान मंदिर में की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई। 10 दिन तक चलने वाले इस उत्सव की सबसे ज्यादा धूम पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और मध्य भारत में रहती है। दिल्ली में नवरात्रि के पहले दिन श्रद्धालुओं ने झंडेवालान मंदिर में पूजा-अर्चना की। वहीं, तमिलनाडु के मदुरै में रजनीकांत के एक फैन ने मंदिर में खास सजावट की। इसमें रजनीकांत के 230 से ज्यादा किरदारों की तस्वीरें और प्रतिरूप लगाए गए हैं। फैन पिछले तीन साल से हर नवरात्रि पर यह सजावट कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ के बस्तर में नवरात्रि उत्सव की पारंपरिक ‘काछन गादी’ रस्म पूरी की। इस रस्म के बाद देवी ने बस्तर दशहरा उत्सव शुरू करने की अनुमति दी। यह परंपरा हर साल दशहरा उत्सव की शुरुआत से पहले निभाई जाती है। यूपी के मिर्जापुर में नवरात्रि के पहले दिन मां विंध्यवासिनी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ नजर आई। जम्मू और कश्मीर के कटरा में नवरात्रि के पहले दिन पूजा करने के लिए कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी। मध्य प्रदेश के मेहर जिले के मां शारदा मंदिर में श्रद्धालु दर्शन और प्रार्थना करने पहुंचे।

शराब से केंद्र और राज्यों को चार लाख करोड़ रुपये की आय, तेलंगाना सबसे आगे

मुंबई (एजेंसी)। शराब उद्योग से केंद्र और राज्य सरकारों को सालाना करीब चार लाख करोड़ रुपये की कर आय प्राप्त होती है। राज्यों के कुल कर राजस्व में शराब की हिस्सेदारी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना में शराब से कर आय का हिस्सा सबसे अधिक 32 प्रतिशत है। इसके बाद तमिलनाडु 27 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश 25 प्रतिशत के साथ 3 प्रमुख राज्यों में शामिल है। केरल, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शराब से कर आय की हिस्सेदारी 23-23 प्रतिशत बताई गई है। आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड में यह आय 21 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि कई राज्यों की आर्थिक व्यवस्था में शराब से मिलने वाला राजस्व अहम भूमिका निभाता है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में शराब उद्योग से केंद्र और राज्यों को कुल चार लाख करोड़ रुपये की कर आय शराब से मिलेगी। 2020-21 में यह लगभग 2.4 लाख करोड़ रुपये थी। इस अवधि में राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उद्योग की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022 से 2025 के बीच महंगी श्रेणी की शराब की सालाना वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत रही। इससे शराब बाजार में प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग आय बढ़ने का प्रमुख कारण बताया जा रहा है।

मणिपुर में ताजा झड़पों में अब तक 9 की मौत, सीएम ने की हत्या व हिंसा की निंदा

-सबसे ज्यादा प्रभावित कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे

इम्फाल, एजेंसी। मणिपुर के हिंसा प्रभावित पहाड़ी जिलों में रविवार को भी तनाव बना रहा और दो समुदायों के बीच ताजा झड़पों में मरने वालों की संख्या अब 9 हो गई है। इस बीच सीएम वाई खेमचंद सिंह ने शांति और संयम बनाए रखने की अपील की और अधिकारियों से स्थिति को नियंत्रण में लाने को कहा। बता दें शुरुवार-शनिवार को कामजोंग, उखरुल और कांगपोकपी जिलों में हिंसा की ताजा घटनाओं में कई लोगों की मौत की खबरें सामने आईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ने पोस्ट में कहा कि मैं निर्दोष नागरिकों की हत्या और हिंसा की निंदा करता हूं। मैंने संबंधित अधिकारियों को शांति और कानून-व्यवस्था बहाल करने तथा सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सभी समुदायों से स्थिति को शांत करने के लिए संयम बरतने



और शांति, संवाद तथा सद्भाव को प्राथमिकता देने की भी अपील की। सबसे ज्यादा प्रभावित कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक शनिवार को संदिग्ध उग्रवादी कामजोंग जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास तंगखुल नगा समुदाय की बस्ती निंगचौ गांव में भी घुस गए और गोलीबारी

की। इस घटना में नगाचांसो निंगशेन और लेइशिशन लेइशावांग की मौत हो गई। घटना के बाद सुरक्षा बल गांव पहुंचे। स्थानीय लोगों का दावा है कि गोलीबारी करने के बाद हमलावर म्यांमा की ओर भाग गए। उखरुल जिले में शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने चेपू याओलेन गांव के पास एक कार पर गोलीबारी की, जिसमें संदीप राय की मौत हो गई।

कांगपोकपी जिले के मकुई अशांग और तापन में भी सशस्त्र समूहों के बीच भारी गोलीबारी की सूचना है। इस साल फरवरी से कुकी और नगा जनजातीय समुदायों के बीच जारी हिंसा में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई मकानों को आग लगा दी गई है। इससे पहले राज्य में इंपाल घाटी में रहने वाले मेइती समुदाय और आसपास की पहाड़ियों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा हुई थी, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे।

लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार, लेकिन कानूनों का पालन जरूरी

-बीजेपी सांसद ने सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर के विरोध पर विपक्ष को घेरा

कांगड़ा , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने सीईपी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर प्रक्रिया के विरोध को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए नियमों और कानूनों का पालन करना जरूरी है। ठाकुर ने कहा कि उन्होंने युवा मोर्चा से लेकर बीजेपी तक कई विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। ऐसे प्रदर्शनों के लिए अनुमति लेनी होती है और इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या भी बतानी पड़ती है। कोई भी व्यक्ति या संगठन कानून से ऊपर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनुराग ने विपक्ष पर चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं को निशाना

बनाने और चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि यदि कुछ लोग यह सोचते हैं कि उन्हें किसी को जानकारी देने की जरूरत नहीं है और वे संस्थाओं, नियमों और कानून से ऊपर हैं, तो देश इस तरह नहीं चल सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को नियमों का पालन करना चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर ठाकुर ने कहा कि नियमों के मुताबिक कोई भी विरोध कर सकता है और इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के लिए झूठ का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग विदेशी ताकतों के एजेंडे के मुताबिक भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिना ठोस आधार के आरोप लगाकर राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश सफल नहीं होगी। इस दौरान अनुराग ने शारदीय नवरात्रि के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

क्या पितृसत्ता का अंत आपके लिए महज एक राजनीतिक जुमला है?

-बीजेपी सांसद ने जेएनयू प्रोफेसर पर लगे आरोपों पर राहुल से पूछा सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने रविवार को कांग्रेस पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेएनयू की पूर्व प्रोफेसर अंगामचा बिमोल अकोइजम से जुड़े यौन उत्पीड़न के आरोपों पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। स्वराज ने कहा कि हम सब जानते हैं कि 9 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सांसद बिमोल अकोइजम को यौन दुष्चार के आरोपों के चलते जेएनयू ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। मई 2026 में एक-दो नहीं, बल्कि 11 छात्रों ने अकोइजम के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेएनयू ने पांश एक्ट के तहत एक आंतरिक कमेटी गठित की। कमेटी ने तमाम साक्ष्यों, गवाहों और पीड़ितों की गवाही के आधार पर मामले को जांच की, जिसके बाद बिमोल अकोइजम को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। यह



कार्रवाई गंभीर सवाल उठाती है। स्वराज ने कहा कि आरोप बेहद परेशान करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने स्टूडेंट्स को दर रात एकेडमिक असेसमेंट के लिए अपने घर बुलाया था, जिसमें एक वाइवा परीक्षा भी शामिल थी जो कथित तौर पर रात 11ः40 बजे तक चली। बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज मैं राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहती हूं कि क्या

पितृसत्ता का अंत आपके लिए महज एक राजनीतिक जुमला है? इस घटना ने कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर किया है। कांग्रेस के लिए नारीवाद की शुरुआत सिर्फ एक हैशटैग से होती है और जवाबदेही के मोर्चे पर आते ही दम तोड़ देती है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, देश आपकी चुनिंदा नाराजगी, आपके मकसद से प्रेरित रुख पर, झूठे नैरेटिव पर सवाल उठाता है। इस आरोपी सांसद के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने अब तक न कोई जांच बैठाई है, न ही उनसे जवाबदेही तय करने के लिए कोई शो-कॉज नोटिस जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से किसी भी प्रकार का कोई एक्शन नहीं लिया गया। राहुल गांधी क्या 11 छात्राओं की शिकायतों की गूंज आप तक नहीं पहुंची? या आप छात्रों की गूंज को सिर्फ एक छिछोरी कॉमेडी के लिए आवरण बना लिया है?

बीजेपी स्वतंत्रता सेनानी को नहीं मानती, ये इससे भी मुनाफा कमाना चाहती है

-अखिलेश बोले- हमने जेपी की याद में स्मारक बनाया, सरकार इसे भी बेच रही है

लखनऊ, एजेंसी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित जेपीएनआईसी का दौरा किया। वह जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। इस बीच उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अखिलेश पर निशाना साधा। जेपीएनआईसी का दौरा करने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया और उनके मूवमेंट से परिवर्तन हुआ, वो समाजवाद की विचारधारा लेकर चले। जेपी ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने राष्ट्रपति महात्मा गांधी के साथ काम किया। हालांकि अब म्यूजियम में

कुछ बचा नहीं क्योंकि आज की जो सरकार है वह किसी भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को नहीं मानती। ये इससे भी मुनाफा कमाना चाहती है। हमने जयप्रकाशजी की याद में इतना बड़ा स्मारक बनाया लेकिन सरकार इसे भी बेच रही है। अखिलेश ने कहा कि इस सरकार के लिए विचार बड़ा नहीं, उन्होंने रुपय में बेच दिया। पैसे के भार से उन्होंने विचार दबा दिए। सरकार में बैठे लोग पीड़ा देने वाले लोग हैं और ये जितना पीड़ा देगे उतना पीड़ा बढ़ेगा, परिवर्तन होना तय है। इस सरकार के पास 45 से 50 दिन बचा है।

इसके बाद प्रदेश के डिट्टी सीएम ब्रजेश

पाठक ने अखिलेश यादव के प्रदर्शन को सिर्फ एक नाटक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी महापुरुषों और लोहिया-जेपी के नाम का इस्तेमाल सिर्फ अपने करतूतों को छिपाने के लिए कर रही है। पाठक ने सवाल उठते हुए कहा कि अखिलेश सरकार के कार्यकाल में जो प्रोजेक्ट शुरू में 17 करोड़ रुपए का था, उसकी लागत बढ़कर 850 करोड़ रुपए तक कैसे पहुंच गई? उन्होंने जेपीएनआईसी की लागत बार-बार बढ़ाने और उसमें फाइव स्टार सुविधाओं और स्विमिंग पूल बनाए जाने को लेकर भी सवाल खड़े किए।

पाठक ने जयप्रकाश नारायण को याद

करते हुए कहा कि जेपी ने अपनी पूरी जिंदगी में भ्रष्टाचार, कदचार और परिवारवाद के खिलाफ संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि महापुरुषों का सम्मान करने और उनके बताए आदर्शों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना है, न कि राजनीतिक रोटियां संकना। इससे पहले ओमप्रकाश राजभर ने भी जेपीएनआईसी को लेख अखिलेश यादव पर निशाना साधा था। उन्होंने पूछा कि जेपीएनआईसी पर 864 करोड़ रुपए खर्च कर दिए फिर भी परियोजना पूरी नहीं हुई। इतना पैसा आखिर गया कहा? आप जेपीएनआईसी के नाम पर राजनीति करने से पहले बताएं कि जनता के 864 करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी निर्माण पूरा क्यों नहीं हुआ? एक-एक रुपए का हिसाब दीजिए।

हवा में विमान के अंदर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से निकला धुआं

-हैदराबाद में इंडिगो फ्लाइट की कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6115 को एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से धुआं निकलने के बाद हैदराबाद की ओर डायवर्ट कर दिया गया। घटना के बाद विमान में मौजूद यात्रियों के बीच चिंता की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, केबिन



कू ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थिति पर काबू पा लिया। इसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत पायलटों ने विमान को हैदराबाद की ओर मोड़ने का फैसला किया। विमान की राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। एयरलाइन के मुताबिक, घटना के दौरान यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठाए गए। उपलब्ध जानकारी में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने का उल्लेख नहीं है। यात्रियों को चेन्नई पहुंचाने की व्यवस्था इंडिगो ने यात्रियों को उनके गंतव्य चेन्नई तक पहुंचाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की है। एयरलाइन के अनुसार, यात्रियों को रिफेशमेंट उपलब्ध कराया जा रहा है और उन्हें स्थिति के बारे में समय-समय पर जानकारी दी जा रही है। एयरलाइन ने इस अप्रत्याशित घटना के कारण यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया है। इंडिगो ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नशे के खिलाफ दौड़ा हरिद्वार, मिनी हाफ मैराथन में जिलाधिकारी समेत अधिकारियों और नागरिकों ने लिया हिस्सा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। नशे के विरुद्ध जनजागरूकता

बढ़ाने और युवाओं को नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से रविवार, 11 अक्टूबर को अतुल्य फाउंडेशन और हरिद्वार पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में हॉनशे के विरुद्ध दौड़ मिनी हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। ऋषिकुल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दक्षित, नगर पुलिस अधीक्षक, नगर क्षेत्राधिकारी और यातायात क्षेत्राधिकारी बिपेंद्र सिंह सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा अन्य प्रतिभागियों ने सहभागिता की। मैराथन का मुख्य उद्देश्य युवाओं और नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। आयोजन के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से पंजीकरण कर अपनी भागीदारी



सुनिश्चित की। सुबह से ही ऋषिकुल मैदान में लोगों की आवाजही शुरू हो गई और बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने मैराथन में हिस्सा लिया। आयोजकों ने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल पुलिस या



प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। युवाओं को नशे से बचाने, परिवारों को जागरूक करने और स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज बनाने के लिए जनसहभागिता आवश्यक है। आयोजकों ने नागरिकों से नशे के खिलाफ अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।

सवाल पूछना हर स्टूडेंट की जिम्मेदारी, लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरे नहीं : राहुल गांधी

चेन्नई (एजेंसी)। राहुल गांधी ने चेन्नई में ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम में कहा कि लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरने की जरूरत नहीं है। आइलैंड ग्राउंड्स में 30 मिनट के कार्यक्रम में राहुल ने कहा कि सवाल पूछना हर स्टूडेंट की जिम्मेदारी है। सरकार तमिलनाडु पर हिंदी थोप रही है। तमिल कल्चर, भाषा इतिहास पर हमला किया जा रहा है। आपका वोट चोरी किया जा रहा है। यह कार्यक्रम पहली बार दक्षिण भारत में आयोजित किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी इंटरनेशनल दबाव में हैं। अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं। देश का मूड जनता जान गई है। पूरी दिल्ली बंद है। पुलिस बच्चों को मार रही है, इंटरनेट बंद है। बीजेपी के गुंडे सड़क पर घूम रहे, बच्चों को पीट रहे हैं। पेरियार महान इंसाान थे, क्योंकि वे सवाल करते थे। पेरियार ने स्टूडेंट को सिखाया कि बिना समझे किसी भी विचार को फॉलो न करें। सेट्रलाइजेशन, 87फीसदी एमबीबीएस तमिल सीट कम की जा रही है। 70फीसदी यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर नहीं है, उसको आरएसएस के गवर्नर चला रहे हैं।

एसएसपी नवनीत सिंह की पहल पर हरिद्वार यातायात पुलिस को मिले तीन सहायता बूथ, आधुनिक सुविधाओं से होंगे लैस

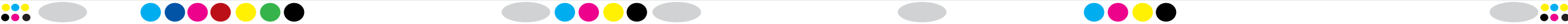
हरिद्वार (शिखर समाचार)। जनपद में यातायात व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के साथ ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवास फाउंडेशन, मानसरोवर, जयपुर ने हरिद्वार यातायात पुलिस को तीन सहायता बूथ उपलब्ध कराए हैं। एसएसपी नवनीत सिंह की पहल पर जनसहयोग से मिली इस सुविधा के तहत पंतद्वीप पार्किंग, आनंद वन समाधि और प्रेमनगर आश्रम चौक पर बूथ स्थापित किए जाएंगे। इनका उद्घाटन यातायात पुलिस अधीक्षक ने किया।

सहायता बूथों में वातानुकूलन यंत्र, पानी का डिस्पेंसर, पानी ठंडा करने की मशीन, मेज, कुर्सियां, पंखा और कुंडेदान जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे यातायात पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान राहत मिलेगी और वे अधिक सुविधाजनक वातावरण में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे। यातायात पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, प्रमुख मार्गों और चौराहों पर तैनात पुलिसकर्मियों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच लंबे समय तक ड्यूटी करनी पड़ती है। ऐसे में सहायता बूथ उनके लिए उपयोगी साबित होंगे। इनकी स्थापना से पुलिसकर्मियों को आवश्यक सुविधाएं मिलने के साथ यातायात प्रबंधन के



कार्य में भी सहूलियत मिलेगी।

इस पहल के तहत यातायात क्षेत्राधिकारी बिपेंद्र सिंह और यातायात निरीक्षक संदीप नेगी के पर्यवेक्षण में व्यवस्था को आगे बढ़ाया गया। आवास फाउंडेशन के सहयोग से उपलब्ध कराए गए इन बूथों को जनसहयोग और पुलिस के बीच समन्वय का उदाहरण माना जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य हरिद्वार में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ पुलिसकर्मियों की कार्यस्थितियों में सुधार करना है।



निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों की जांच कर वितरित की गई दवाइयां



बिजनौर (शिखर समाचार)। सुसंस्कारित स्वास्थ्य सेवा बिजनौर प्रभाग की ओर से ग्राम मोहम्मदपुर देवल स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित शिविर में स्वामी भक्तिवेदांत नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों की टीम ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया और निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में डॉ. शैलेंद्र, डॉ. प्रीति, डॉ. मेधा, डॉ. इला और डॉ. मेजर अभिनव सिंह ने अपनी सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने मरीजों की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की और उनकी परेशानी के अनुसार उचित परामर्श दिया। जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं, जिससे उन्हें उपचार के लिए तत्काल सहायता मिल सकी। आयोजकों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें समय पर जांच तथा उपचार के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में पहुंचे ग्रामीणों ने चिकित्सकों से अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं साझा कीं और विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर जरूरतमंद लोगों के लिए लाभकारी साबित होते हैं। इस प्रकार के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बदापुर में सागौन और खैर के पेड़ काटकर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, लकड़ी बरामद



बिजनौर (शिखर समाचार)। बदापुर थाना पुलिस ने खेत से कीमती पेड़ काटकर चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए सागौन और खैर की लकड़ी के लट्टे भी बरामद किए हैं। कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) गौतम राय ने बताया कि बीती 24 सितंबर को बदापुर क्षेत्र के ग्राम मोहिदिनपुर निवासी राम बहादुर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि अज्ञात चोर रात के अंधेरे में उनके खेत से सागौन और खैर के दो-दो कीमती पेड़ काटकर चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित थाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने मुसुबिर से मिली सूचना और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ग्राम मधुपुर निवासी राजपाल और कुलविंदर सिंह को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई लकड़ी के लट्टे बरामद किए। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले में नियमानुसार कार्रवाई कर रही है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जैन महाविद्यालय में हुआ पौधारोपण, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश



खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्री कुंदकुंद जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय की प्रचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, हरित वातावरण विकसित करना और विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। इस दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने और पौधों की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। बढ़ते प्रदूषण और घटती हरियाली के बीच पौधारोपण प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल भी करनी चाहिए, ताकि पौधे विकसित होकर पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने में योगदान दे सकें। विद्यार्थियों से अपने आसपास हरियाली बढ़ाने और अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने का आह्वान किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी विकास जैन के सचिव ज्योतिनर आशीष जैन, डॉ. विष्णु, डॉ. पारुल, निखिल, एकता राजपूत, राधा, सचिन कुमार, मुकुल जैन, डॉ. संजीव कुमार और विश्वजीत उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रमेश कुमार और समय सिंह का विशेष सहयोग रहा। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा समाज में हरियाली के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।

रामलीला में धनुष यज्ञ और ताड़का वध का मनोहारी मंचन, कलाकारों ने जीता दर्शकों का दिल



रामपुर मनिहारन/सहारनपुर (शिखर समाचार)। गंगा राम रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित रामलीला महोत्सव में बीती रात धनुष यज्ञ और ताड़का वध की लीलाओं का मनोहारी मंचन किया गया। स्थानीय पीठ बाजार में आयोजित रामलीला का उद्घाटन नगर पंचायत के पूर्व सभासद मास्टर ओमपाल वाल्मीकि ने फीता काटकर किया। इसके बाद कलाकारों ने अपनी अभिनय कला और विशेष तैयारी के साथ रामायण के प्रसंगों का मंचन कर दर्शकों की खूब सरहना बटोरी। मंचन के दौरान अयोध्या के राजकुमार राम और लक्ष्मण को राजा जनक के यहां आयोजित होने वाले स्वयंवर समारोह की जानकारी दी गई। बताया गया कि इस आयोजन में विभिन्न राश्यों के राजा-महाराजा शामिल होने पहुंच रहे हैं। स्वयंवर की जानकारी मिलने पर राजकुमार लक्ष्मण ने भी समारोह में शामिल होने की इच्छा जताई। कलाकारों ने स्वाद, अभिनय और मंचीय प्रस्तुति के माध्यम से प्रसंगों को जीवंत बनाया। धनुष यज्ञ और ताड़का वध के दृश्यों ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और कलाकारों के अभिनय की सराहना की। रामलीला के माध्यम से धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ दर्शकों को भगवान राम के आदर्शों से जुड़ने का संदेश भी दिया गया। आयोजन में रामलीला कमेटी के नवनियुक्त प्रधान रामनिवास सैनी, निदेशक प्रीतम सिंह, संजय गुप्ता, चौधरी जोगेंद्र सिंह, हिमांशु चौधरी, सन्नी सैनी, सुशील शर्मा, राजन गुप्ता और कन्हैया गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति की गूंज: गाजियाबाद में सड़कों पर उतरीं 2000 महिलाएं, सुरक्षा और सम्मान का दिया कड़ा संदेश

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए रविवार को कमिश्नरेट गाजियाबाद में व्यापक स्तर पर पैदल मार्च निकाला गया। मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में महिला वॉलंटियर्स फोर्स (एमवीएफ) के सदस्यों समेत करीब दो हजार महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कमिश्नरेट के तीनों जोन नगर, ट्रांस हिंडन और ग्रामीण जोन में एक साथ निकाले गए इस भव्य पैदल मार्च में पुलिसकर्मियों, शिक्षिकाओं, छात्राओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों की महिलाओं ने कदम से कदम मिलाकर सहभागिता की। हाथों में महिला सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और



आत्मनिर्भरता के नारों से सजे पोस्टर-बैनर थामे महिलाएं पूरे उत्साह के साथ सड़कों पर उतरीं। इस पैदल मार्च का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के प्रति समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ाना तथा बालिकाओं में आत्मविश्वास जगाना रहा। आयोजन के दौरान पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने उपस्थित



जनसमूह को महिला हेल्पलाइन नंबरों, आत्मरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा और स्वाभिमान सर्वोपरि है।

अधिकारियों ने बढ़ावा होसला, दिया कड़ा संदेश

कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस आयुक्त केशव कुमार चौधरी ने कहा कि 'मिशन शक्ति' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हर महिला के भीतर सुरक्षा और स्वाभिमान का विश्वास जगाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि कमिश्नरेट पुलिस महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर

रही है। सार्वजनिक स्थलों से लेकर शिक्षण संस्थानों तक हर जगह ऐसा सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा रहा है, जहां हर बेटी और महिला बिना किसी भय के आगे बढ़ सके। उन्होंने महिलाओं से किसी भी विषय पर परिस्थिति में तत्काल हेल्पलाइन नंबरों 1090 और 112 का उपयोग करने का आह्वान किया। वहीं, अपर पुलिस आयुक्त राजकरण नय्यर ने कहा कि समाज में वास्तविक विकास तभी संभव है जब आधी आबादी पूरी तरह सुरक्षित और सशक्त महसूस करे। महिला वॉलंटियर्स फोर्स (एमवीएफ) के जरिए पुलिस और जनता के बीच की दूरी को पाटा जा रहा है। उन्होंने अराजक तत्वों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों पर कमिश्नरेट पुलिस बेहद सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। पुलिस हर कदम पर महिलाओं के साथ खड़ी है।

वाल्मीकि समाज में विवाह और मृत्यु भोज की फिजूलखर्ची पर लगेगी रोक, बच्चों की शिक्षा को देंगे प्राथमिकता

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)।

वाल्मीकि समाज ने विवाह-शादियों, छुट्टी, मुंडन और मृत्यु भोज जैसे आयोजनों में होने वाली फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने का निर्णय लिया है। समाज के लोगों ने अनावश्यक खर्चों को कम करके बचाई गई धनराशि बच्चों की शिक्षा और उनके उच्चल भविष्य पर खर्च करने पर जोर दिया। यह निर्णय नगीना-नहटौल मार्ग पर रेलवे फाटक के निकट स्थित वंदना बैक्वेट हॉल में वाल्मीकि समाज सुधार समिति के बैनर तले आयोजित जिला स्तरीय बैठक में लिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुभाष वाल्मीकि, पूर्व क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि, दिल्ली से आए भाजपा नेता राजीव सूद और प्रधान रामलाल वाल्मीकि ने आदि कवि महर्षि वाल्मीकि तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया। इसके बाद आयोजित विचार गोष्ठी में समाज सुधार और आर्थिक रूप से कमजोर



परिवारों पर बढ़ते खर्चों के प्रभाव पर चर्चा की गई। सुभाष वाल्मीकि ने कहा कि विवाह-शादियों, छुट्टी, मुंडन और मृत्यु भोज में जरूरत से अधिक खर्च करने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ता है। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए समाज के लोगों को आगे आना चाहिए। उन्होंने बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का आह्वान किया। बैठक में राजेंद्र सोढ़ी, रामपाल सिंह, श्याम सिंह, राजेश वाल्मीकि, रणवीर सिंह वाल्मीकि, प्रीतम संतोषी, मनोज वाल्मीकि,

सर्वेश वाल्मीकि, आशीष पवार और रोहित कुमार ने भी फिजूलखर्ची पर रोक लगाने तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। समिति के संस्थापक प्रबंधक प्रधान रामलाल वाल्मीकि ने पंजीकृत समिति की कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए लक्ष्मण सिंह को अध्यक्ष बनाने सहित 11 सदस्यीय समिति के पदाधिकारियों के नाम घोषित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्रपाल सिंह ने की, जबकि संचालन केके रंजन ने किया। बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए वाल्मीकि समाज के लोगों ने भाग लिया।

मां शाकंभरी देवी नवरात्र मेले का शुभारंभ, सुरक्षा के लिए तीन जोन और 16 उपक्षेत्रों में व्यापक प्रबंध

सहारनपुर (शिखर समाचार)।

सिद्धपीठ मां शाकंभरी देवी मंदिर परिसर में शारदीय नवरात्र मेले का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने विधि-विधानपूर्वक फीता काटकर किया। उन्होंने मेले को आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व बताते हुए श्रद्धालुओं को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मां शाकंभरी देवी से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं से बातचीत की और उपलब्ध सुविधाओं का जांचा लिया। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा के लिए सात पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा के लिए सात पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।



उपक्षेत्रों में बांटा गया है। प्रत्येक क्षेत्र में अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती कर आठ-आठ घंटे की पालियों में ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा के लिए मेला कोतवाली स्थापित करने के साथ अतिरिक्त पुलिस बल, प्रांतीय सशस्त्र बल, होमगार्ड, प्रांतीय रक्षक दल और महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। सीसीटीवी कैमरों और नियंत्रण कक्ष के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस सहायता केन्द्र,

खोया-पाया केंद्र और मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं। श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए सात पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा के लिए सात पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर छात्राओं ने लिया बाल विवाह के खिलाफ शपथ, अधिकारों के प्रति किया जागरूक

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शाहपुर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाजसेवी डॉ. राजीव की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को उनके अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा और सामाजिक समानता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को पूरी तरह समाप्त करने तथा बालिकाओं को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. राजीव ने बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए कहा कि कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि समाज से बाल विवाह समाप्त करने के लिए जागरूकता बढ़ाना और



बालिकाओं के अधिकारों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। लड़कें और लड़कियों के बीच भेदभाव तथा असमानता दूर करने के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर बाल विवाह के नुकसान विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं मानसी, कनक, साजिया, जिया, नंदिनी और खुशी सहित अन्य प्रतिभागियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम

के दौरान छात्राओं ने बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाने और इसे रोकने में सहयोग करने की शपथ लेते हुए कहा, “न बाल विवाह करेंगी और न करने देंगी। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डन गीता सिंह, शिक्षिका गीता रानी, शिवराज सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज में बाल विवाह के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण तैयार करना रहा।

आर्य समाज मंदिर में यज्ञ के बाद नशे के दुष्प्रभावों पर विचार गोष्ठी, युवाओं को किया जागरूक

शामली (शिखर समाचार)। गौशाला रोड स्थित आर्य समाज मंदिर में रविवार को वैदिक परंपराओं के अनुरूप यज्ञ का आयोजन किया गया। इसके बाद ह्यनशा-आनंद या अभिशापह्व विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित कर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

वक्ताओं ने नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और युवा पीढ़ी को ध्यान साधना से जोड़ने पर जोर दिया। यज्ञ में मुख्य यजमान विदुषी चौधरी रहीं, जबकि यज्ञ पुरोहित नरेंद्र सिंह आर्य ने वैदिक विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। मुख्य वक्ता नई दिल्ली के अपोलो अस्पताल की मनोचिकित्सक डॉ. रिमझिम गुप्ता ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि परिवार की खुशहाली, सामाजिक समरसता और राष्ट्र की युवा शक्ति को भी प्रभावित करता है। युवाओं



को नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनानी चाहिए। विशिष्ट अतिथि आचार्य विवेक वेदनाथन ने कहा कि स्वस्थ होने का अर्थ स्वयं में स्थित होना है, जो ध्यान साधना के माध्यम से संभव है। उन्होंने बच्चों और युवाओं को विद्यालयों तथा खेल संस्थानों के माध्यम से ध्यान का प्रशिक्षण देने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मीरा वर्मा ने की, जबकि संचालन बाबूराम पंचार और डॉ. धीरेंद्र ब्रह्मचारी ने संयुक्त रूप से किया।

आर्य समाज गौशाला रोड के प्रधान अधिवक्ता सत्यप्रकाश आर्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रामपाल सिंह आर्य, बीरबल सिंह आर्य, अशोक बहादुर आर्य, डॉ. विनीत चौहान, मुकेश चौधरी, नितिन वर्मा, अधिवक्ता कमलवीर, ज्ञानेंद्र मलिक, कुलदीप आर्य, मनोज आर्य, संजय शर्मा, मंजू आर्या, पुनम आर्या, बबोता शर्मा, प्रहलाद सिंह, विजयपाल आर्य, जितेंद्र सिंह और संजीव मलिक सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

ईट निमार्ता समिति के कार्यालय का उद्घाटन, भट्ठा संचालकों को मिलेगी जीएसटी, खनन और प्रदूषण संबंधी जानकारी



सहारनपुर (शिखर समाचार)। महीपुर रोड पर जिला ईट निमार्ता समिति के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन वरिष्ठ समाजसेवी एवं भट्ठा व्यवसायी नरेंद्र भाटिया ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में स्वामी अखिलेश आनंद महाराज के शिष्य 1008 माधव महाराज ने उपस्थित लोगों को आशीर्वाद दिया। इस कार्यालय की स्थापना जनपद के ईट भट्ठा संचालकों को आवश्यक जानकारी और सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। समिति के अध्यक्ष सनी चौधरी ने कहा कि कार्यालय के माध्यम से जनपद के सभी भट्ठा मालिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यहां वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), खनन, प्रदूषण नियंत्रण सहित अन्य संबंधित विषयों की जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि कार्यालय में एक अधिवक्ता और एक मुंशी की व्यवस्था की गई है, ताकि भट्ठा संचालकों को आवश्यक कार्यों और प्रक्रियाओं के संबंध में मार्गदर्शन मिल सके। इस अवसर पर शिक्षाविद महिपाल सिंह राणा ने समिति के सविधान का विमोचन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता नवीन खटाना, संगठन के महामंत्री अरुण राणा, संरक्षक पंडित बुजभूषण शर्मा और कोषाध्यक्ष वरुण सैनी ने हवन-यज्ञ कर पूजन कराया। आयोजन में समिति के पदाधिकारियों और भट्ठा व्यवसायियों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में ओमवीर चौधरी, संजय ऐरन, सुरेंद्र अरोड़ा, पिंटू प्रधान, अशोक चौधरी, अशोक धीमान, संजय चौधरी, अमित राणा, सोनू भाटिया, बबू भाटिया, अकरम प्रधान, छोटू सैनी, हाजी याकूब कुर्शी, सतार चौधरी, अर्जुन चौधरी और अधिवक्ता अर्जुन पवार सहित सैकड़ों भट्ठा संचालक उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत मोदीनगर में निकला पैदल मार्च महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण का संदेश, विधायक और अधिकारियों ने की शिरकत

मोदीनगर (शिखर समाचार)। शारदीय नवरात्र के अवसर पर पुलिस विभाग की ओर से 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा की भावना जागृत करने के लिए रविवार को नगर में एक भव्य पैदल मार्च निकाला गया। इस मार्च में महिला पुलिसकर्मियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में शिक्षिकाओं, छात्राओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़ी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागी पहले मोदी मंदिर में एकत्र हुए, जहाँ से पैदल मार्च की शुरुआत हुई। मार्च के दौरान महिलाएं और पुलिसकर्मी हाथों में प्रेरणादायक संदेश लिखे बैनर और तख्तियां लेकर चल रहे थे। यह पैदल मार्च रुक्मणी मार्केट, रेलवे रोड, बस स्टैंड और गुरुद्वारा रोड से होते हुए दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित राज चौहान स्थित सीएमडी सभागार में समाप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान भाजपा विधायक डा. मंजू सिवाच ने कहा कि शासन के 'मिशन शक्ति' अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। महिला सशक्तिकरण कोई विचार नहीं बल्कि एक संकल्प है, क्योंकि जब नारी सशक्त होती है तो पूरा समाज और राष्ट्र मजबूत होता है। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने कहा कि यह अभियान प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि पहले थानों में इक्का-दुक्का



महिला पुलिसकर्मी ही नजर आती थीं, लेकिन आज हर थाने में पर्याप्त संख्या में महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं जो महिलाओं की समस्याएं सुनती हैं। उन्होंने इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए सभी महिलाओं और छात्राओं का आभार जताया। इस अवसर पर एसीपी सिद्धार्थ गौतम, एसीपी मसूरी सुनील कुमार, तथा मोदीनगर, मुरादनगर, भोजपुर और निवाड़ी थानों के प्रभारी निरीक्षक मौजूद रहे। इसके अलावा भोजपुर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, पवन सिंघल, महेश तायल, शोभा चौधरी, शालिनी नयर और जसमीत सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

समाचार

बूथ स्तर पर डिजिटल नेटवर्क मजबूत करेगी भाजपा

कानपुर, एजेंसी। नवीन मार्केट स्थित पार्टी कार्यालय में शनिवार को उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित की अध्यक्षता में मंडल सोशल मीडिया संयोजकों, सह-संयोजकों और व्हाट्सएप ग्रुप प्रमुखों की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सोशल मीडिया संगठन की बात लोगों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है।

कार्यकर्ता केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी प्रामाणिक तथ्यों के साथ साझा करें। उन्होंने प्रत्येक मंडल में डिजिटल समन्वय, सक्रियता और नियमित संवाद बनाए रखने की जरूरत बताई। जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि प्रत्येक मंडल में व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं। बैठक का संचालन जिला महामंत्री अभिनव दीक्षित ने किया। इस दौरान राधा सेनी, स्पर्श कटियार, यश जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

वेबसाइट में मिलेगी गणितज्ञ प्रो. हरीश चंद्र के शोधों की जानकारी

कानपुर, एजेंसी। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के बैनर तले गणितज्ञ प्रो. हरीश चंद्र की 103वीं जयंती पर शनिवार को तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। प्रो. हरीश के जीवन और उपलब्धियों पर आधारित वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। इसे एमएससी गणित के विद्यार्थी हर्षित राम गुप्ता ने तैयार किया है।

इस डिजिटल शोध के माध्यम से महान गणितज्ञ के जीवन, पहेल और वैज्ञानिक योगदान से जुड़ी जानकारी विद्यार्थियों तथा शोधकर्ताओं तक पहुंचाई जा सकेगी। उनके जीवन और उपलब्धियों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि एचआरआई के गणित विभाग के रीडर प्रो. तुहिन घोष रहे। इस मौके पर स्कूल की सह निदेशक प्रो. अंजू दीक्षित, एचबीटीयू के प्रो. एपी द्विवेदी, डॉ. पीएन पाठक आदि लोग उपस्थित रहे।

आईएसबीटी पर यात्रियों की भीड़, ड्रगामार बसें रहीं हावी

आगरा। दिल्ली की ट्रेनें के निरस्त होने के बाद शनिवार को आईएसबीटी पर दिल्ली जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ गई। जगह जगह ड्रगामार बसों ने इसका फायदा उठाया। आईएसबीटी के बाहर खड़ी ड्रगामार बसों के संचालक यात्रियों को जबर्स बैठाते नजर आए। इस पर दो बसों के संचालकों में विवाद हो गया। मामला हाथपाई तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने समझा-बुझाकर दोनों पक्षों को शांत करा दिया। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल ने बताया कि आगरा से दिल्ली-नोएडा रूट पर 105 बसों का संचालन किया गया। शनिवार को कार्यालयों में अवकाश और पितृपक्ष के कारण यात्रियों की संख्या देखते हुए बसों के फेरे बढ़ाने की नौबत नहीं आई। आगरा से दिल्ली रूट पर दोनों ओर से प्रतिदिन करीब 12 हजार लोग यात्रा करते हैं। उनके लिए पर्याप्त संख्या में बसें मौजूद रहें।

सड़क सुरक्षा की शपथ लेकर निकले विद्यार्थी, यातायात नियमों के पालन का दिया संदेश

गोरखपुर, एजेंसी। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात नियमों का पालन जरूरी है। यह केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। यह बात महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. भूपेश कुमार गोयल ने शनिवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के दौरान कही। राष्ट्रीय सेवा योजना के सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित अभियान में शिक्षकों, अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने सड़क सुरक्षा की शपथ ली। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने और नशे की स्थिति में वाहन नहीं चलाने का संकल्प लिया। इसके बाद जागरूकता रैली निकालकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया।

तीन जोन में बंटेगी गंगा, 30 मजिस्ट्रेट और 12 एसपी संभालेंगे सुरक्षा की कमान

वाराणसी, एजेंसी। काशी में होने वाले एयर शो में अब सिर्फ 11 दिन बचे हैं। शो को सफल बनाने में प्रशासन और पुलिस के अधिकारी जुट गए हैं। शो की तैयारियों को लेकर शनिवार को प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, एनडीआरएफ के अधिकारियों ने कमिश्नरी सभागार में पांचवीं बैठक की। एयरशो के दौरान गंगा को तीन जोन में बांटने पर निर्णय हुआ। इस दौरान हर जोन में बचाव कार्य के लिए तीन-तीन नावें और एंबुलेंस तैनात रहेंगी। बैठक में एयरशो को एक दिन आगे भी बढ़ाने पर चर्चा हुई। दो घंटे तक चली बैठक में सीएमओ डॉ. एनपी सिंह, एडीसीपी यातायात अंशुमान मिश्रा और डीसीपी काशी जोन ने अपने-अपने विभाग की तैयारियों का पीपीटी के माध्यम से प्रेजेंटेशन दिया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से एंबुलेंस, अस्पताल, एमरजेंसी के विषय में विस्तृत जानकारी दी।

सीएमओ ने बताया कि नमो घाट से



लेकर मंडलीय अस्पताल तक बनाए जा रहे ग्रीन कॉरिडोर में पर्याप्त व्यवस्थाएं रहेंगी। गंगा इस पार वाराणसी की स्वास्थ्य विभाग की टीम और गंगा उस पार डोमरी क्षेत्र में चंदौली की स्वास्थ्य टीम पूरी आपातकालीन व्यवस्था के साथ तैनात रहेंगी। एडीसीपी ट्रैफिक अंशुमान मिश्रा ने बताया कि ट्रैफिक कंट्रोल के लिए तीन श्रेणी प्लान ए, बी और सी बनाया गया है।

डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने शो के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पूरे इंतजाम रहेगी। गंगा इस पार वाराणसी की स्वास्थ्य प्लान प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक में मंडलायुक्त एस राजलिंगम, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, एडीजी नवीन अरोड़ा, डीएम सत्येंद्र कुमार चंदौली के डीएम और एसपी व गाजीपुर के डीएम, एसपी मौजूद रहे।

घटस्थापना के साथ गूंजे जयकारे

देवी मंदिरों में उमड़ी भारी भीड़, सुरक्षा के कड़े इंतजाम



कानपुर, एजेंसी। कानपुर में शारदीय नवरात्र का पावन पर्व रविवार, 11 अक्टूबर 2026 से पूरी भव्यता और धार्मिक उल्लास के साथ शुरू हो गया है। इस वर्ष तिथियों की वृद्धि के चलते नवरात्र पूरे 10 दिनों का होगा। पर्व के पहले दिन रविवार को तड़के सुबह से ही शहर के सभी प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

मां शैलपुत्री की आराधना और विधि-विधान से घटस्थापना के साथ ही शहर जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा। इस बार मां दुर्गा का आगमन हाथी पर हुआ है, जिसे ज्योतिष शास्त्र में सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और कृषि के लिए बेहद शुभ संकेत माना जा रहा है।

नवरात्र के पहले दिन बिरहाना रोड स्थित तपेश्वरी मंदिर, जूही स्थित

बारा देवी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

जूही बारा देवी मंदिर में चैत्र नवरात्र के पहले दिन रविवार को भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भक्तों ने कतारबद्ध होकर मां के 12 स्वरूपों के दर्शन किए और परिवार की सुख-समृद्धि की मन्त्र मांगी। मंदिर के पुजारियों ने बताया कि नवरात्र के नौ दिनों तक यहां विशेष अनुष्ठान और माता का भव्य श्रृंगार किया जाएगा, जिसके लिए दूर-दूर से भक्त पहुंच रहे हैं।

ऐतिहासिक बारादेवी मंदिर, किदवईनगर के जंगली देवी मंदिर, गोविंद नगर दुर्गा मंदिर, शास्त्रीनगर स्थित काली मठिया और हटिया के बुद्धा देवी मंदिर में सुबह चार बजे से

गोविंद नगर दुर्गा मंदिर पूजा-अर्चना

गोविंद नगर दुर्गा मंदिर में नवरात्र के पहले दिन सुबह से ही मंदिर के कपाट खुलते ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। मंदिर प्रांगण में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इसके साथ ही मंदिर में स्थापित राम दरबार, भगवान गणेश और शिव-पार्वती की मूर्तियों के समक्ष भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

ही कपाट खोल दिए गए। तपेश्वरी मंदिर के मुख्य पुजारी शिव मंगल ने बताया कि नवरात्र के पहले दिन और अष्टमी को मंदिर के पट सुबह चार बजे खुलेंगे।

दुर्गा मंदिरों में विशेष

सजावट की गई

रात 12-30 बजे तक भक्त दर्शन कर सकेंगे। वहीं, बारादेवी मंदिर की प्रबंधक रूपम शर्मा ने बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे और पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। बंगाली मोहल काली मंदिर, हरजंदर नगर काली बाड़ी और गुजरैनी के दुर्गा मंदिरों में भी विशेष सजावट की गई है।

अभिजीत मुहूर्त में हुई

कलश स्थापना

ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी के अनुसार, पहले दिन चित्रा नक्षत्र और वैधति योग के चलते कलश स्थापना के लिए विशेष मुहूर्त का ध्यान रखा गया। श्रद्धालुओं ने सुबह 11-36 से दोपहर 12-24 बजे के अभिजीत मुहूर्त और चौघड़िया मुहूर्त में घरों व मंदिरों में घटस्थापना की।

बाजारों तक में

भारी चहल-पहल

वहीं, ज्योतिषाचार्य पं. पीएन द्विवेदी ने बताया कि नवरात्र में नौ कन्याओं के पूजन का विशेष विधान है, जिससे साधक को ऐश्वर्य, भोग, मोक्ष और धन-संपदा की प्राप्ति होती है। पहले दिन मंदिरों से लेकर बाजारों तक में भारी चहल-पहल देखने को मिली और फूल-माला, नारियल व प्रसाद की दुकानें गुलजार रहीं।

नवरात्र के आगमन के साथ ही प्रदेश से विदा हुई बारिश

14 अक्टूबर को फिर से सक्रिय होगा एक नया विक्षोभ

लखनऊ द्र , एजेंसी। मानसून की विदाई के बाद भी हो रही बारिश पर फौरी तौर पर विराम लगता दिख रहा है। प्रदेश में बादलों की आवाजाही के बीच धूप निकलने से मौसम में राहत है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बूँदाबांदी हो सकती है। इसके बाद पूर्वी और

दिन रहा। वहीं, हरदोई में न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा।

राजधानी में अगले कुछ दिन मौसम में खास बदलाव के आसार नहीं हैं। बादलों की सक्रियता कम होने के साथ मौसम स्थिर रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी समेत पूर्वी



मध्य यूपी में अगले पांच दिन मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी यूपी में रविवार के बाद अगले तीन दिन बारिश की गतिविधियां थम सकती हैं। हालांकि, नए विक्षोभ के सक्रिय होने से 14 से 16 अक्टूबर के बीच पश्चिमी यूपी में फिर बूँदाबांदी की संभावना है।

इस बीच शनिवार सुबह पश्चिमी और पूर्वी तराई के कुछ जिलों में बादल छाप रहे, लेकिन दोपहर तक ज्यादातर शुष्क धूप निकल आई। 28 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ मुरादाबाद प्रदेश में सबसे ठंडा

उत्तर प्रदेश में अगले पांच दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक लखनऊ में फिलहाल बारिश की गतिविधियों में कमी आने के संकेत हैं। शनिवार को सुबह से धूप खिली रही। दोपहर बाद बादलों की सक्रियता बढ़ने से मौसम कुछ नरम हुआ। धूप और छंव के बीच अधिकतम तापमान में खास बदलाव नहीं आया। शनिवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान में मामूली 0.2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई और यह 22.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

नवरात्र और फाइटर जेट्स को लेकर बंद रहेंगी मांस की दुकानें, वध भी प्रतिबंधित; बना दायरा

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में पहले नवरात्र और अब फाइटर जेट्स को बर्ड-हिट से बचाने के लिए 26 अक्टूबर तक मांस की दुकानें बंद रहेंगी। काशी विश्वनाथ धाम के दो किलोमीटर और नमो घाट के 30 किलोमीटर दायरे में मांस की बिक्री और पशु वध पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था के मद्देनजर यह कदम उठाया है।

अगले 16 दिन तक शहर में सभी मांस-मछली की दुकानें बंद रहेंगी। पहले नवरात्र फिर एयर शो के दौरान



आने वाले फाइटर जेट्स को बर्ड-हिट से बचाने के लिए 11 से 26 अक्टूबर तक दुकानें बंद रहेंगी। नगर निगम ने आदेश श्रद्धालुओं की भावनाओं को ध्यान में रख जारी किया है। शासनादेश के तहत किसी भी धार्मिक स्थल या मंदिर के 500 मीटर के परिसेत्र में, निगम सदन के प्रस्ताव के अनुपालन में श्री काशी विश्वनाथ धाम को केंद्र मानकर दो किलोमीटर की परिधि में मांस की बिक्री, उपयोग और पशु वध पर पूरी तरह से रोक रहेगी।

राम वनवास की लीला देख भावुक हुए दर्शक, गंगनहर पर गूंजा राम-केवट संवाद

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में टंकी रोड पर आयोजित रामलीला में श्रीराम वनवास, कैकेयी-दशरथ संवाद और राम-केवट संवाद की लीलाओं का भावपूर्ण मंचन किया गया। प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की वनवास यात्रा के दौरान नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। वहीं, गंगनहर स्थित छोटा हरिद्वार घाट पर राम-केवट संवाद के मंचन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लीला के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीराम के आदर्शों, त्याग और मर्यादा के प्रसंगों में भावनात्मक रूप से जुड़ते नजर आए।

रामलीला के मंचन में दिखाया गया कि महारानी कैकेयी राजा दशरथ से अपने पुत्र भरत के लिए अयोध्या का

राजसिंहासन और प्रभु श्रीराम के लिए 14 वर्ष का वनवास मांगती हैं। कैकेयी की यह मांग सुनकर राजा दशरथ गहरे दुख और व्याकुलता में डूब जाते हैं। वह कैकेयी को अपनी मांग बदलने के लिए समझाते हैं और कोई अन्य वर मांगने का आग्रह करते हैं, लेकिन कैकेयी अपने निर्णय पर अडिग रहती हैं। पिता के वचन और रघुकुल की मर्यादा की रक्षा के लिए प्रभु श्रीराम बिना किसी विरोध के वन जाने का निर्णय लेते हैं। उनके साथ माता सीता और भाई लक्ष्मण भी वनवास जाने के लिए तैयार हो जाते हैं। श्रीराम के वनवास की खबर से अयोध्या नगरी में शोक छा जाता है और राजा दशरथ का विलाप उपस्थित दर्शकों को भावुक कर देता है। इसके बाद प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की वनवास यात्रा निकाली



गई, जो मेन रोड और बस स्टैंड से होते हुए गंगनहर स्थित छोटा हरिद्वार घाट पहुंची। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान के स्वरूपों का

अभिर्नंदन किया। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। घाट पर राम-केवट संवाद का विशेष मंचन किया गया, जिसमें केवट प्रभु श्रीराम,

माता सीता और लक्ष्मण को अपनी नाव से गंगनहर पार कराता है। इस प्रसंग में केवट की भक्ति, समर्पण और प्रभु श्रीराम के प्रति उसकी अटूट श्रद्धा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। लीला के दौरान दिखाया गया कि माता सीता गंगनहर पार कराने के बदले केवट को उतराई देना चाहती हैं, लेकिन केवट प्रभु श्रीराम के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए उतराई स्वीकार करने से इनकार कर देता है। उसका निष्काम प्रेम और भक्ति देखकर दर्शक भावुक हो उठते हैं। राम-केवट संवाद के माध्यम से कलाकारों ने भक्ति, सेवा, समर्पण और समानता का संदेश दिया। घाट पर मौजूद दर्शकों में रामलीला को विशेष आकर्षण प्रदान किया और श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ लीला का आनंद लिया। रात्रि में रामलीला मंच पर पुत्र

वियोग में राजा दशरथ के प्राण त्यागने का मार्मिक दृश्य प्रस्तुत किया गया। प्रभु श्रीराम के वनवास के दुख में व्याकुल राजा दशरथ का विलाप और उनकी प्राण त्यागने के प्रसंग ने दर्शकों को भावुक कर दिया। कलाकारों ने अपने अभिनय के माध्यम से रामायण के इन महत्वपूर्ण प्रसंगों को जीवंत कर दिया। रामलीला के दौरान धार्मिक आस्था के साथ-साथ पारिवारिक मर्यादा, वचन पालन और त्याग जैसे आदर्शों का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर अरविंद भारतीय, बुद्ध प्रकाश गोयल, सुशील गोयल, विनोद धनगर, महेश चंद गोयल, सुभाष चंद्र गर्ग, छिद्दालाल, अनिल गोयल, प्रमोद गोयल, संजीव राजपूत, भूपेंद्र पाल, लवली, भूषण गुप्ता सहित कमेटी के सदस्य, श्रद्धालु और अनेक नगरवासी उपस्थित रहे।

थाने बनेंगे सात नए, सीसीटीवी से होगी निगरानी

एयरशो के दौरान ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाएगा। ताकि किसी भी आपात स्थिति में आसानी से राहत मिल सके। गंगा उस पार 7 अस्थाई थाने, पुलिस बूथ बनाए जाएंगे। यहां पर चुनिंदा इस्पेक्टर और सब इस्पेक्टरों की तैनाती की जाएगी। पुलिस विभाग को ऐसे निरीक्षकों की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया है जो भीड़ प्रबंधन में दक्ष हों और दबाव झेल सकें। साथ ही पूरे आयोजन स्थल को सीसीटीवी से लैस किया जाएगा। इसकी निगरानी अलग-अलग कंट्रोल रूम से की जाएगी।

एयरशो का अनाउंसमेंट

एयर शो के दौरान घाटों पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद होंगे। इसे देखते हुए दूरदराज से शो का आनंद लेने वालों के लिए भी व्यवस्था की जाएगी। क्रिकेट की कमेंट्री जैसा अनाउंसमेंट किया जाएगा। साथ ही घट बैठे शो देखने के लिए लाइव टेलिकास्ट भी किया जाएगा।

हनुमान धाम की रामलीला में हुआ श्रीराम-सीता के प्रथम मिलन का भावपूर्ण मंचन

शामली (शिखर समाचार)। मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम में आयोजित 57वें रामलीला महोत्सव में देर रात फुलवारी लीला का मनमोहक मंचन किया गया। फूलों से सजी वाटिका और मधुर भजनों के बीच भगवान श्रीराम और माता सीता के प्रथम मिलन का प्रसंग जीवंत हो उठा। कलाकारों के भावपूर्ण अभिनय और सुंदर दृश्यावली ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

मंचन में दिखाया गया कि गुरु विश्वामित्र के आदेश पर श्रीराम और लक्ष्मण पूजा के लिए फूल लेने मिथिलापुरी की वाटिका में पहुंचते हैं। इसी दौरान माता सीता अपनी सखियों के साथ मां गौरी की पूजा करने आती हैं। सखियों से दोनों राजकुमारों के बारे में जानकारी मिलने पर माता सीता के मन में उन्हें देखने की इच्छा जागती है। श्रीराम को देखकर उनके मन में प्रेम और श्रद्धा के भाव उत्पन्न होते हैं। इसके बाद माता सीता मां गौरी से श्रीराम को जीवनसाथी के रूप में पाने की प्रार्थना करती हैं। पूरे प्रसंग का मंचन श्रद्धा और भावनात्मक सुंदरता के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं आईआईके अध्यक्ष विशाल गुप्ता तानवाले रहे। उन्होंने कहा कि रामलीला भगवान श्रीराम के त्याग, मर्यादा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से परिचित कराती है। उनके



आदर्शों को जीवन में अपनाकर समाज में अच्छे संस्कारों को बढ़ावा देना चाहिए। राम की भूमिका आकाश धीमान, लक्ष्मण की उज्ज्वल नामदेव, माता सीता की वंश राजपूत और गुरु विश्वामित्र की भूमिका विपिन शांडिल्य ने निभाई। इस अवसर पर रामलीला समिति अध्यक्ष सलिल द्विवेदी, राजकुमार मित्तल, शरद द्विवेदी, मुकुल द्विवेदी, पुनीत द्विवेदी, पंडित दिनेश पाठक, उत्तम नामदेव, आदेश शर्मा, दीपक सैनी, लाल सिंह लचक, रमेश धीमान, सुनील कुमार टप्परी, सुदेश कुमार, वंश नामदेव, निशांत पाठक, रवि पाठक, संजीव वर्मा और रोहित संगल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

15-वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार जंगल में ले जाकर वारदात को दिया अंजाम, पुलिस ने दबोचा

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के एक गाँव की 15-वर्षीय नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर जंगल में ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपी पीड़िता को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के एक गाँव निवासी किसान की बेटी को पड़ोसी गाँव धनपुरा निवासी दिलशद पुत्र आजाद शुक्वार को बहला-फुसलाकर सुनसान जंगल में ले गया और वहाँ उसने पीड़िता के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बारे में किसी को बताने पर आरोपी ने किशोरी को जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़िता के पिता ने थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपी दिलशद के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने रविवार को मुखबिरी की सूचना पर यमुना एक्सप्रेस-वे के खेड़ा अंडरपास के पास सर्विस रोड से आरोपी दिलशद को घर दबोचा। पुलिस ने वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।



कार-ऑटो की टक्कर में 6 घायल बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में हुआ हादसा, कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित अन्नपूर्णा होटल के सामने तेज रफ्तार कार ने एक ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो में सवार चार महिलाओं समेत कुल छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धूम मानिकपुर गांव निवासी मिथिलेश कुमार पासवान ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करते हुए बताया कि 9 अक्टूबर को उनकी पत्नी विद्या देवी, जयमाला देवी, सोनी देवी, अर्जुल और आर्युष शर्मा ऑटो में सवार होकर पटवारी के बाग से अपने घर धूम मानिकपुर लौट रहे थे। जब उनका ऑटो बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड पर अन्नपूर्णा होटल के सामने पहुँचा, तो पीछे से आ रही एक अनियंत्रित कार ने उसमें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो में सवार चारों महिलाओं समेत छह लोग घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुँचे और घायलों को ऑटो से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। सूचना पाकर परिजन भी तुरंत मौके पर पहुँच गए। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक अमित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार चालक की तलाश में जुटी है।

मोबाइल में खो रहे बच्चे, घट रहे संस्कार : ऋषि शर्मा एलायंस क्लब के समारोह में शिक्षा और संस्कारों पर जोर



हापुड़ (शिखर समाचार)। एलायंस क्लब हापुड़ गौरव के तत्वावधान में रेलवे रोड स्थित 'टू नाइट' में भव्य अधिष्ठाण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज सेवा के संकल्प के साथ नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई और बच्चों में घटते संस्कारों को लेकर चिंता जताई गई। समारोह में मुख्य अतिथि, अकादमी दिल्ली सरकार के पूर्व सचिव ऋषि शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में बच्चे मोबाइल की आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं, जिसके कारण उनके संस्कारों और नैतिक मूल्यों में कमी आ रही है। उन्होंने इस गंभीर विषय पर अभिभावकों और समाज को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अधिष्ठाण अधिकारी डॉ. अनिल बाजपेई ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष डॉ. आराधना बाजपेई, उपाध्यक्ष उषा अग्रवाल, सचिव नीरू मित्तल, संयुक्त सचिव एडवोकेट ज्योति सिंह, कोषाध्यक्ष अर्चना कंसल, सह-कोषाध्यक्ष स्वाति मित्तल, पीआरओ रजनी बंसल और मीडिया प्रभारी पूनम शर्मा शामिल हैं। सभी ने सेवा, समर्पण और पारदर्शिता के साथ दायित्व निभाने का संकल्प लिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. आराधना बाजपेई ने कहा कि क्लब को समाज सेवा का सशक्त माध्यम बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। आने वाले समय में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। इंडक्शन अधिकारी अजय बंसल ने नए सदस्यों को इंटरनेशनल पिन लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रेखा सिंह, उर्मिला शर्मा, संतोष सिंघल, बीना जिंदल, गीता गर्ग और किरण गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सराफा बाजार में ढाई किलो सोना लेकर कारीगर फरार पौने चार करोड़ रुपये के गबन से हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित सराफा बाजार में एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां सोने की ढलाई और पॉलिश करने वाला महाराष्ट्र का एक कारीगर करीब एक दर्जन सराफा कारोबारियों का पौने चार करोड़ रुपये मूल्य का ढाई किलो सोना लेकर फरार हो गया है। इस घटना से पूरे सराफा बाजार में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र निवासी एक कारीगर पिछले कई वर्षों से सराफा बाजार में सोना गलाने, पॉलिश करने और ढलाई का कार्य करता था। अपने साफ-सुथरे काम और भरोसेमंद व्यवहार के चलते उसने स्थानीय व्यापारियों का विश्वास जीत लिया था। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले सराफा बाजार के कई व्यापारियों ने साफ-सफाई और पॉलिश के लिए राजू नाम के इस कारीगर को कुल ढाई किलो सोना सौंपा था। मौका पाकर कारीगर दुकान बंद कर फरार हो गया। जब व्यापारी अपनी कारीगरी का सामान लेने उसकी दुकान पर पहुंचे, तो वह गायब मिला। सोना लेकर भागने की खबर फैलते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई। व्यापारी अपने स्तर से उसकी तलाश कर रहे हैं, महाराजों को एकका बिल न होने के कारण अभी तक थाने में औपचारिक तहरीर नहीं दी गई है। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने इस संबंध में बताया कि मामले में किसी भी कारोबारी की ओर से अभी तक कोई लिखित शिकायत या जानकारी नहीं दी गई है, फिर भी पुलिस अपने स्तर से मामले की गहनता से जांच कर रही है।

शारदीय नवरात्र पर निकाली गई मां चंडी की पालकी यात्रा भक्तों ने जगह-जगह बरसाए फूल, गुंजे जयकारे



हापुड़ (शिखर समाचार)। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन श्री चंडी धाम से मां चंडी जी की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। यह यात्रा मीनाक्षी रोड, देवीपुरा और नवज्योति कॉलोनी से होते हुए वापस श्री चंडी धाम पर विश्राम हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर मां चंडी की पालकी का स्वागत किया। भक्त मां के भजनों पर जमकर झूमे, जिससे पूरा वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर पालकी सेवा समिति के संस्थापक रविंद्र जिंदल, विनय प्रकाश गुप्ता, नवीन आनंद, राहुल कंसल, मनु गर्ग, कुश शर्मा, अखिल अग्रवाल, अनुज सिंघल, दीपेश गर्ग, महेश टिपला, दीपशा वत्स, सचिन वर्मा, अंकित कौशिक, आकाश जिंदल, वासु गोयल, हनु गोयल, विराम गोयल, विराम गुप्ता, अनुराम शर्मा, मृणाल त्यागी, संदीप सिंघल, नमन गोयल, दीपांशु जैन और हिमांशु जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नवरात्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, कुट्टू आटे और काले नमक के तीन नमूने जांच के लिए लिए

हरिद्वार (शिखर समाचार)। नवरात्र पर्व के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने रविवार, 11 अक्टूबर को चंडीघाट, श्यामपुर, कोड़ी, गैडीखाता और लालढंग में किराना दुकानों तथा खुदरा बिक्री केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान कुट्टू आटे के दो और व्रत में इस्तेमाल होने वाले काले नमक का एक नमूना लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और पैकेट पर जरूरी जानकारी की जांच के दौरान संबंधित कारोबारियों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा आयुक्त विनय शंकर पांडेय और जिलाधिकारी मयूर

दीक्षित के निदेशों के अनुपालन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। अभिहित अधिकारी महिमानंद जोशी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कुल तीन खाद्य नमूने लिए गए। काला नमक बनाने वाली निमार्ता कंपनी को पैकेट पर निर्माण तिथि और समाप्ति तिथि अंकित नहीं करने पर नोटिस जारी किया गया। वहीं, काला नमक की आपूर्ति करने वाले विक्रेता को बिक्री बिल संबंधी प्रावधानों का पालन नहीं करने पर नोटिस दिया गया। कुट्टू आटा बनाने वाली एक कंपनी को पैकेट पर ऐसे स्वास्थ्य संबंधी दावे



गाजियाबाद में पुलिस मुठभेड़, 50 हजार का इनामी वाहन चोर फरमान गिरफ्तार



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 50 हजार रुपये के इनामी अंतरराज्यीय वाहन चोर फरमान को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगने की सूचना है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की फॉन्च्यूर कार भी बरामद की है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के आपराधिक इतिहास को लेकर भी कई अहम जानकारीयां सामने आई हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,



गिरफ्तार आरोपी फरमान पर स्नेचिंग, लूट, हत्या के प्रयास और दुष्कर्म समेत करीब 100 मुकदमे दर्ज होने की बात सामने आई है। हालांकि, इन मामलों की संख्या और उनकी वर्तमान कानूनी स्थिति की आधिकारिक पुष्टि संबंधित पुलिस रिकॉर्ड से किया जाना आवश्यक है। आरोपी को 50 हजार रुपये का इनामी बताया गया है और वह अंतरराज्यीय वाहन चोरी गिरोह से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। पुलिस ने बरामद फॉन्च्यूर कार के

संबंध में जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि वाहन कहाँ से चोरी किया गया था और आरोपी का वाहन चोरी की अन्य घटनाओं में क्या कनेक्शन है। साथ ही, गिरोह की अन्य सदस्यों और चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क की भी पड़ताल की जा सकती है। पुलिस की ओर से मामले में विस्तृत जानकारी और आधिकारिक बयान सामने आने के बाद कार्रवाई से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी।

महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव पर शामली में दो भव्य आयोजन, 2000 से अधिक लोगों ने लिया भाग



शामली (शिखर समाचार)। महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को शामली में अग्रवाल समाज की ओर से दो भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिल्ली रोड स्थित सिटी ग्रीन मैरिज होम में 'एक शाम महाराजा अग्रसेन के नाम' भजन संध्या हुई, जबकि मिल रोड स्थित अग्रसेन पार्क में मां लक्ष्मी आह्वान यज्ञ एवं अग्र गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दोनों आयोजनों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर सामाजिक एकता और समरसता का संदेश दिया। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में सिटी ग्रीन मैरिज होम में आयोजित

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आचार्य चंचल शर्मा के सान्निध्य में पंडित हिमांशु मुंडेपी, सुधीर मुंडेपी, हितेश नयानी और अवधेश शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया। इस दौरान 108 ज्योत प्रज्वलित कर दिव्य दरबार सजाया गया। सिरसा से आए राजेश गोयल 'रिंकू' और दिल्ली से आई भावना स्वरांजलि ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथावाचक अरविंद द्या महाराज, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, पूर्व विधायक राजेश्वर कुमार बंसल और नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद



संगल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। ट्रस्ट अध्यक्ष आकाश गुप्ता ने बताया कि 400 से अधिक परिवारों और 2000 से ज्यादा लोगों की सहभागिता समाज की एकजुटता और आपसी वि्वास का प्रमाण है। समापन पर महाराजा अग्रसेन की महाआरती कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। वहीं, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में अग्रसेन पार्क में आयोजित यज्ञ एवं सम्मान समारोह का शुभारंभ अरविंद संगल ने महाराजा अग्रसेन के चित्र पर तिलक और माल्यार्पण कर किया। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने 'एक ईंट और एक रुपया' का

सिद्धांत देकर सहयोग, समानता और भाईचारे की प्रेरणा दी। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेश्वर बंसल ने जरूरतमंदों सहित पूरे समाज की सेवा के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सम्मेलन अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंघल, महामंत्री डॉ. राजीव बंसल, संजय बंसल, विपिन गोयल, संजय संगल, संदीप जिंदल और वैभव गोयल मौजूद रहे। यज्ञ के बाद चंचल गोयल, संजय संगल, आकाश गुप्ता, गौरव मित्तल, पंकज गुप्ता, अर्जुनल गर्ग और महेश गोयल को अग्र गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विपिन मित्तल ने किया। अंत में प्रसाद वितरित किया गया।

शामली में राष्ट्रीय लोकदल के नए कार्यालय का भूमि पूजन, जल्द शुरू होगा स्थायी भवन का निर्माण

शामली (शिखर समाचार)। सहारनपुर रोड स्थित अंबा विहार में रविवार को राष्ट्रीय लोकदल के नए कार्यालय के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। इससे पहले हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आहुतियां देकर सुख-समृद्धि की कामना की। नए कार्यालय के निर्माण को संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।



संगत उपलब्ध रहेगा। यहां संगठनात्मक गतिविधियों को संचालित करने और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित करने में सुविधा मिलेगी। भूमि पूजन कार्यक्रम में रालोद के क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, थानाभवन विधायक अशरफ अली खान, मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर,

सांसद चंदन चौहान, पूर्व विधायक राव अब्दुल वारिस, विजय कौशिक, सुबारक अली, विकास धीमान और देवानंद गौड़ सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने नए कार्यालय के निर्माण को संगठनात्मक गतिविधियों के विस्तार और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिहाज से अहम बताया।

जेवर में रामलीला का भव्य मंचन श्री राम और रावण जन्म के साथ ताड़का वध देख मंत्रमुग्ध हुए भक्त

जेवर (शिखर समाचार)। श्री दुर्गे मंदिर प्रबंध समिति जेवर के तत्वावधान में आयोजित 62वें पारंपरिक नवरात्र मेले के दूसरे चरण में शनिवार का दिन पूरी तरह भक्ति और धर्म के रंग में रंगा रहा। इस दौरान मथुरा से विशेष तौर पर पथारे प्रसिद्ध रामलीला कलाकारों ने मंच पर ऐसा सजीव अभिनय किया कि दर्शक दीर्घा में बैठे लोग मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री राम और रावण के जन्म के साथ-साथ आक्रामक ताड़का वध के प्रसंगों का अत्यंत सजीव एवं मनमोहक मंचन किया गया। श्री दुर्गे मंदिर का पवित्र प्रांगण शनिवार शाम को खाखाचर भरा हुआ था। जेवर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की तादाद में श्रद्धालु रामलीला देखने के लिए मंदिर परिसर में पहुंचे थे। जैसे ही कलाकारों ने ताड़का वध के रोमांचक दृश्य का मंचन किया, पूरा परिसर जयकारों से गुंज उठा। कलाकारों की बेहतरीन वेशभूषा, संवाद अदायगी और पारंपरिक संगीत ने उपस्थित सभी दर्शकों को पौराणिक काल के उस युग में पहुँचा दिया। बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक ने इस धार्मिक आयोजन का भरपूर आनंद लिया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में मंदिर प्रबंध समिति के पदाधिकारी और सदस्य पूरी तन्मयता से जुटे रहे। इस अवसर पर मुख्य समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, महासचिव सुभाष चंद्र गर्ग, समिति निदेशक कुलदीप पंडित, सभासद जयभगवान शर्मा, योगी शर्मा, लेखा निरीक्षक सचिन अग्रवाल, सुनील शर्मा, श्याम प्रेमी, पंकज शर्मा 'सवारिसा' और उपाध्यक्ष अजय राज शर्मा (वैद्यजी) समेत क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समिति की ओर से आए हुए सभी श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं।



शारदीय नवरात्र के पहले दिन सीकरी महामाया मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, हजारों भक्तों ने ली माता की ज्योत



दर्शन के लिए मंदिर के द्वार खोल दिए गए। मंदिर के कपाट खुलते ही परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने माता रानी की दर्शन कर पूजा-अर्चना की और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। सीकरी महामाया मंदिर में नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की विशेष आस्था देखने को मिलती है। पहले दिन ही बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने से मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक माहौल बना रहा। श्रद्धालु माता की ज्योत लेकर अपने घरों को गए, जहां नवरात्र के दौरान पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा की

आराधना की जाएगी। दूर-दराज से पहुंचे भक्तों में भी माता के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। मंदिर में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए। मंदिर परिसर में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। मंदिर में दिनभर श्रद्धालुओं के आने-जाने का सिलसिला जारी रहा और भक्तों ने शान्तिपूर्वक माता रानी के दर्शन कर नवरात्र का शुभारंभ किया।

संपादकीय

दिल्ली में विरोध की आवाज पर पहरा
या कानून-व्यवस्था की जरूरत,
लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

देश की राजधानी दिल्ली में कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं की गिरफ्तारी और सशर्त रिहाई ने लोकतंत्र में विरोध के अधिकार, कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही को लेकर नई बहस छेड़ दी है। 10 अक्टूबर को सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके तथा सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली पहुंचने के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। रविवार, 11 अक्टूबर को तीनों को कार्यकारी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहां एक वर्ष तक शांति और सद्ब्यवहार बनाए रखने की शर्त पर उन्हें रिहा कर दिया गया। इसके लिए 50 हजार रुपये का जमानती मुचलका भरवाए जाने की जानकारी सामने आई। यह घटनाक्रम केवल तीन राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और रिहाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सवाल भी उठता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को आवाज को किस सीमा तक स्वीकार किया जाता है और प्रशासन सुरक्षा के नाम पर नागरिक अधिकारों का संतुलन कैसे बनाए रखता है।

सीजेपी के नेताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से संबंधित मुद्दों पर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। विपक्षी दलों और कुछ संगठनों ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने तथा निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच और तथ्यों के आधार पर समीक्षा जरूरी है। हालांकि, किसी आरोप को बिना प्रमाण के सत्य मान लेना भी उचित नहीं है। निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए आयोग को अपनी प्रक्रियाओं के संबंध में पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए और राजनीतिक दलों को भी अपनी शिकायतें प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करनी चाहिए।

इस पूरे घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप विशेष महत्व रखता है। रविवार को हुई सुनवाई के दौरान न्यायालय ने शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने और सार्वजनिक आवाजाही के अधिकार से जुड़े सवालों पर विचार किया।



संजय गौरवाभी

आज खाड़ी देशों में अमेरिका ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में क्षेत्र में कच्चे तेल के आवाजाही अवरुद्ध होने के कारण पेट्रोल डीजल के दाम में काफी बढ़ोतरी हुई है 7 महीने से युद्धके चलते इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल का रेट 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है।इसलिए अब दुपहिया या मोटर कार में चलना मुश्किल हो सकता है इसलिए आज ही साइकिल को इस्तेमाल करना शुरू कर दे ऐ कई बार राजनेताओ ने भी शिरकत की थी दरअसल साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बच्चा, जवान या बुढ़ा व्यक्ति सभी चला सकते है।आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरों की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन गियर हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पारनियर मैयुफैक्टर के तौर पर मिचोक्स की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और एमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मर्सिले तक 800 किलोमीटर (500 मील) से ज्यादा वेलोसिपेड चलाई, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिट और अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज बनने में मदद की। भाइयों ने मिचोक्स में 69 परसेंट इक्विटी के लिए 50,000 फ्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत बड़ी पैकट्री में चला गया। पहले मॉडल में सर्पिन के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत

यतायात के लिए साइकिल एक उत्तम दुपहिया वाहन



बाद फर्म ने रॉट आयरन से बने डायगोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोज़िशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विजिटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे; पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 को पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नज़ारा बन गया था, और काफी ज्यादा कीमतों के बावजूद बिक्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ओलिवियर्स ने मिचोक्स एट सी का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर कोमैनी पैरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्पोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और फ्रीव्हील (जो कोर्सिंग की इजाजत देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्पोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हाई राइड की वजह से शुरुआती वेलोसिपेड को हूबोनेशेकरहू का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्पोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जैसे ही बोनेशेकर हूऑर्डिनरीहू नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री

को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैयुफैक्ट्रिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। ऑर्डिनरी का वजन आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18कि.ग्रा.) होता था, लेकिन ट्रैक-रेसिंग मॉडल का वजन 16 पाउंड (7कि.ग्रा.) जितना कम हो सकता था। शुरुआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेलफास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमेटिक टायर इंट्रोड्यूस किए। इनसे रोलिंग रेजिस्टेंस बहुत कम होने के साथ ज्यादा आरामदायक राइड मिलती थी। 1893 तक लगभग सभी नई साइकिलों में न्यूमेटिक टायर थे, जिससे उनकी पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई। न्यूमेटिक टायर और टेंशन-स्पोक वाले पहिये ने क्रेक और पैडल जितना ही काम किया, जिससे साइकिल घोड़े के एक बड़े विकल्प के तौर पर स्थापित हुई। 1890 के दशक में डायमंड-पैटर्न फ्रेम, न्यूमेटिक टायर, चेन ड्राइव और ब्रेक वाली प्रैक्टिकल साइकिलों का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हुआ। 1890 के दशक के आखिर तक ज्यादातर साइकिलों का वजन सिर्फ 25 से 35 पाउंड (11 से 16कि.ग्रा.) था। स्टैंडर्ड डिजाइन ने ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप में साइकिल की धूम मचा दी और सैकड़ों बनाने वाले बन गए। 1895 में

ब्रिटेन में 800,000 से ज्यादा साइकिलें बनीं। 1899 में यूनाइटेड स्टेट्स में 1.1 मिलियन से ज्यादा साइकिलें बनीं। बहुत सारी महिलाओं ने साइकिल चलाना शुरू किया, और मार्केट बहुत बढ़ गया; साइकिल चलाना महिलाओं के आंदोलन की निशानी बन गया। लेकिन यह बूम जल्दी ही खत्म हो गया, और साइकिल की बिक्री बहुत कम हो गई, जिसके कारण कई बैंकरप्सी हुईं और साइकिल की कीमतें बहुत कम हो गईं। साइकिल बूम के खत्म होने का गलत दोष ऑटोमोबाइल को दिया जाता है, लेकिन ज्यादा मुमकिन वजह स्ट्रीटकार जैसे शुरुआती मास ट्रांजिट सिस्टम की तेजी से बढ़ोतरी थी, जिसने साइकिल से यात्रा करने का एक अच्छा विकल्प दिया—खासकर खराब मौसम में। आज की साइकिल 1900 के बाद मटीरियल, फ्रेम डिजाइन और पाटर्स में बहुत सारे सुधार किए गए, लेकिन साइकिल का बेसिक डिजाइन लगभग वैसा ही रहा। सबसे बड़ा टेक्निकल सुधार मल्टीपल-स्पीड गियरिंग था। 1896 में विलियम रेली को दो-स्पीड इंटरनल हब गियर के लिए पेटेंट मिलने के बाद, ये गियर ब्रिटेन में डीलक्स साइकिलों का एक फीचर बन गए। 1913 तक स्टर्मी-आर्चर कंपनी हर साल 100,000 तीन-स्पीड हब गियर बना रही थी। फ्रेंच साइकिल चलाने वालों ने कई तरह के मल्टीपल-स्पीड मैकेनिज्म के साथ एक्सपेरिमेंट किया, और 1920 के दशक तक फ्रांस में चेन को एक स्प्रोक्रेट से दूसरे स्प्रोक्रेट तक ले जाने वाले डिरिलियर गियर बन गए थे। बिकने वाली साइकिलों में से आधी 10-स्पीड वाली थीं। 1974 के तेल बैन से बड़ों की साइकिलिंग बढ़ी, और यूनाइटेड स्टेट्स अच्छी क्वालिटी वाली साइकिलों का बड़ा मार्केट बन गया। लेकिन, 1975 में सेल्स फिर से घटकर 7 मिलियन रह गईं, और कई साइकिल कंपनियां दिवालिया हो गईं। जापानी और ताइवानी कंपनियां बच गईं और उन्होंने यूरोपियन कंपनियों से एक्सपोर्ट मार्केट पर कब्जा कर लिया।साइकिलिंग में अगली वापसी तथाकथित मार्डटेन बाइक की वजह से हुई। पहले इसके इन्वेंटर्स ने इसे हूब्लंकंरहू कहा था, मार्डटेन बाइक 1970 के दशक में उत्तरी कैलिफोर्निया में डेवलप हुईं। 1980 के दशक में उन्होंने 10-स्पीड वाली बाइकों की जगह ले ली, ठीक वैसे ही जैसे 1880 के दशक में सेप्टी साइकिलों ने आम साइकिलों की जगह ले ली थी। मार्डटेन बाइक डेवलपड दुनिया में स्टैंडर्ड साइकिल बन गई और 1993 में यूनाइटेड स्टेट्स में साइकिल की सेल्स में इसका हिस्सा 95 परसेंट था। टूरिंग और रेसिंग साइकिलों को रोड बाइक के नाम से जाना जाने लगा।निश्चित रूप से आज जहाँ खाड़ी में युद्ध के कारण पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं वहाँ यह साइकिल बिना पेट्रोल के तेज दौड़ेगी और स्वस्थ रहेंगे।

चेन्नई से दौड़ेगी विकास की मिलेगी रफ्तार



की दक्षता पर भी निरंतर ध्यान देना आवश्यक होगा। राष्ट्रीय राजमार्गों से मजबूत होगा क्षेत्रीय संपर्क – तमिलनाडु में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए लगभग 3,700 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाया गया।प्रधान मंत्री कार्यालय के अनुसार, इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744 पर वडुगपट्टी-थेकुवर्गनल्लूर के बीच 3.6 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744ए पर मडुरै रिंग रोड के 30 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड का उद्घाटन शामिल है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 83 के नागपट्टिनम-तंजावुर खंड पर तिरुवारूर बाईपास के निर्माण की आधारशिला रखी गई इन परियोजनाओं का सीधा संबंध यात्रियों की सुविधा और माल परिवहन की गति से है।मदुरै जैसे महत्वपूर्ण शहरों में बेहतर बाईपास और राजमार्ग संपर्क से भारी वाहनों को शहर के भीतरी हिस्सों से गुजरने की आवश्यकता कम हो सकती है।इससे जाम में राहत मिलने और यात्रा समय घटने की संभावना है।राजमार्गों का विकास तीर्थस्थलों, औद्योगिक केंद्रों और व्यापारिक क्षेत्रों के बीच संपर्कों को भी मजबूत करता है।किसानों के उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने, उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति और तैयार वस्तुओं के परिवहन में बेहतर सड़क नेटवर्क सहायक होता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ नए व्यावसायिक अवसर भी विकसित हो सकते हैं।रेलवे आधुनिकीकरण से यात्रियों को सुविधा – भारतीय रेलवे देश की आर्थिक और सामाजिक जीवनरेखा है।चेन्नई कार्यक्रम के अंतर्गत 750 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया और उनका उद्घाटन किया गया। इनमें कराईकलझपेरलम रेल लाइन, कोयंबटूर और आसपास के क्षेत्रों में तीन रेल ओवरब्रिज तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित पांच रेलवे स्टेशन शामिल हैं इन स्टेशनों में पलानी,वेल्लोर कैंटोनमेंट, अंबासमुद्रम, परमाकुडी और नामक्कल प्रमुख हैं। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण केवल भवनों के सौंदर्यीकरण का विषय नहीं है।इसका उद्देश्य यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं, सुगम आवागमन और अधिक व्यवस्थित स्टेशन परिसर उपलब्ध कराना भी है।छोटे शहरों और धार्मिक स्थलों के रेलवे स्टेशनों का विकास स्थानीय पर्यटन तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकता है। कोयंबटूर क्षेत्र में रेल ओवरब्रिज का निर्माण सड़क और रेल यातायात के बीच होने वाले व्यवधान को कम करने में सहायक होगा। व्यस्त रेल क्रांशिंग पर वाहनों के रुकने से समय की बर्बादी होती है और कई बार दुर्घटनाओं का

खतरा भी बढ़ता है।बेहतर रेल अवसंरचना इन समस्याओं को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। बंदरगाहों से समुद्री अर्थव्यवस्था का विस्तार – तमिलनाडु की भौगोलिक स्थिति उसे समुद्री व्यापार के क्षेत्र में विशेष महत्व प्रदान करती है।चेन्नई बंदरगाह, कामराजर बंदरगाह और वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह राज्य की औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों के प्रमुख आधार हैं।इनकी क्षमता बढ़ाना देश के आयात-निर्यात और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। चेन्नई बंदरगाह पर चार प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।इनमें पक्का भंडारण क्षेत्र, चार निर्यात-आयात गोदाम, आधुनिक क्रूज टर्मिनल और नाविकों के लिए क्लब शामिल हैं। इन सुविधाओं से माल के भंडारण और प्रबंधन में सुधार के साथ क्रूज यात्रियों तथा समुद्री कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर आठ प्रमुख विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया।इनका उद्देश्य माल एवं कंटेनर प्रबंधन की क्षमता का विस्तार, स्वच्छ समुद्री ऊर्जा के लिए आधारभूत सुविधाओं का विकास और बंदरगाह परिसर में माल की आवाजाही को अधिक प्रभावी बनाना है।

कामराजर बंदरगाह पर कोयला बर्थ संख्या तीन का उद्घाटन किया गया।इसके साथ ही कंटेनर टर्मिनल के पहले चरण के दूसरे हिस्से से संबंधित पूंजीगत ड्रेजिंग कार्य की आधारशिला रखी गई। बंदरगाहों की दक्षता बढ़ने से माल को जहाजों से उतारने,भंडारित करने और आगे परिवहन करने में लगने वाला समय कम किया जा सकता है।इससे उद्योगों की लॉजिस्टिक्स लागत घटाने और निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ती हैं।समुद्री व्यापार का विस्तार स्थानीय रोजगार और संबंधित सेवाओं के विकास में भी योगदान दे सकता है। पेट्रोलियम क्षेत्र में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन –चेन्नई के मनाली स्थित चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी में लगभग 1,620 करोड़ रुपये की लागत वाली ग्रुप-द्वितीय एवं ग्रुप-तृतीय ल्यूव ऑयल बेस स्टीक्स परियोजना की आधारशिला रखी गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार, इसकी प्रस्तावित उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 2.70 लाख मेट्रिक टन है। इस परियोजना के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता वाले स्नेहक तैयार करने के लिए आवश्यक आधारभूत तेल का उत्पादन किया जाएगा। ऐसे स्नेहकों का उपयोग वाहन उद्योग, मशीनों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में होता है। घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ने से भारत के औद्योगिक क्षेत्र को

आवश्यक सामग्री की उपलब्धता मजबूत करने में मदद मिल सकती है।यह परियोजना ऊर्जा क्षेत्र में मूल्य संवर्धन और तकनीकी क्षमताओं के विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। हालांकि,इसके वास्तविक आर्थिक लाभ उत्पादन शुरू होने, बाजार की मांग और उद्योगों को मिलने वाली आपूर्ति पर निर्भर करेंगे। आईआईटी मद्रास में विज्ञान की नई संभावनाएँ –चेन्नई की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष वैज्ञानिक अनुसंधान भी है। प्रधानमंत्री ने आईआईटी मद्रास स्थित सुधा गोपालकृष्णन मस्तिष्क केंद्र को राष्ट्र को समर्पित किया।इसके साथ मानव मस्तिष्क का विस्तृत अध्ययन करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पहल भी शुरू की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की आधिकारिक जानकारी के अनुसार,इस अभियान का लक्ष्य ध्रुण अवस्था से युद्धावस्था तक जीवन के विभिन्न चरणों में 100 से अधिक मानव मस्तिष्कों के त्रिआयामी एटलस तैयार करना है। यह अध्ययन कोशिकीय स्तर पर मस्तिष्क की संरचना को समझने में सहायता करेगा। इस अवसर पर सी-स्ट्रोक नामक मानव इस्कीमिक स्ट्रोक एटलस भी जारी किया गया। इसमें स्ट्रोक से प्रभावित मस्तिष्क के एक हजार से अधिक चिह्नित सुक्ष्म ऊतक खंड शामिल हैं। इससे दुनिया भर के शोधकर्ताओं को मस्तिष्काघात से संबंधित नए उपचार लक्ष्यों की पहचान करने में सहायता मिल सकती है। यह पहल इस बात का उदाहरण है कि विकास का अर्थ केवल सड़क, रेल और औद्योगिक ढांचे का निर्माण नहीं है।वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा ज्ञान और आधुनिक तकनीक में निवेश भी देश की दीर्घकालिक प्रगति के लिए आवश्यक है। विकास का लाभ आम नागरिक तक पहुंचे – चेन्नई में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का यह कार्यक्रम परिवहन,उद्योग, समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान को एक साथ आगे बढ़ाने की व्यापक पहल के रूप में देखा जा सकता है। मेट्रो रेल शहरी आवागमन को बेहतर बनाने में सहायक है, राजमार्ग क्षेत्रीय संपर्क मजबूत करते हैं,रेलवे यात्रियों और व्यापार को सुविधा देता है तथा बंदरगाह देश को वैश्विक बाजारों से जोड़ते हैं।दूसरी ओर, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी परियोजनाएं घरेलू उत्पादन तथा तकनीकी क्षमताओं के विस्तार की संभावनाएं खोलती हैं।फिर भी, विकास की वास्तविक कसौटी केवल परियोजनाओं की लागत या उद्घाटन की संख्या नहीं होती। निर्धारित समय में निर्माण पूरा करना, गुणवत्ता बनाए रखना, सार्वजनिक धन का उचित उपयोग और आम लोगों तक सुविधाओं का लाभ पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है।शहरी विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षित यातायात और समावेशी सुविधाओं पर ध्यान देना आवश्यक है।चेन्नई की इन परियोजनाओं का प्रभाव तमिलनाडु की सीमाओं से आगे भी दिखाई दे सकता है, क्योंकि दक्षिण भारत का औद्योगिक और समुद्री नेटवर्क राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा है।बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार और निवेश को अवसर मिल सकते हैं तथा आधुनिक अनुसंधान से भारत की वैज्ञानिक क्षमता मजबूत हो सकती है। अब इन परियोजनाओं की सफलता इस बात से निर्धारित होगी कि वे कितनी प्रभावी ढंग से धरातल पर उतरती हैं और नागरिकों के दैनिक जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाती हैं।विकास की सार्थकता तभी है,जब आधुनिक अवसंरचना के साथ रोजगार, सुविधा,सुरक्षा और आर्थिक अवसरों का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचे।



विनोद सिंह ‘तकियावाला’

मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं।ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है।

मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे, बंदरगाह, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं से तमिलनाडु के विकास, औद्योगिक विस्तार और आधुनिक कनेक्टिविटी को मिलेगी नई दिशा... भारत की सांस्कृतिक विरासत, समुद्री व्यापार,औद्योगिक विकास और आधुनिक तकनीकी क्षमताओं में दक्षिण भारत का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।आज का यह दिन तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई इन सभी विशेषताओं का संगम है। जहाँ एक ओर बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह महानगर समुद्री व्यापार और उद्योग का प्रमुख केंद्र है,तो दूसरी ओर वाहन निर्माण,सूचना प्रौद्योगिकी,उच्च शिक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं और वैज्ञानिक अनुसंधान को लेकर कुछ परियोजनाओं के अनुरूप विकसित करना समय की मांग है।इसी परिप्रक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 अक्टूबर 2026 को चेन्नई दौरा महत्वपूर्ण रहा। पी एम नरेन्द्र मोदी ने इस दौरान तमिलनाडु में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन,शिलाप्यास और राष्ट्र को समर्पण किया गया।प्रधानमंत्री कार्यालय की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार,ये परियोजनाएं मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे,बंदरगाह, पेट्रोलियम और शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं।इनका उद्देश्य परिवहन सुविधाओं का विस्तार करने के साथ व्यापार,उद्योग,क्षेत्रीय संपर्क और तकनीकी अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है।चेन्नई में विकास की इस नई पहल को केवल कुछ परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए।यह समझना भी आवश्यक है कि आधुनिक परिवहन, मजबूत औद्योगिक ढांचा,समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।इन क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं विकसित होने से रोजगार,निवेश और आर्थिक गतिविधियों के लिए नए अवसर तैयार हो सकते हैं। मेट्रो रेल से महानगर को नई गति -प्रधानमंत्री के चेन्नई दौरे की प्रमुख उपलब्धियों में चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के पुनामल्लो-वडापलनी खंड का उद्घाटन शामिल रहा।लगभग 4,900 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस खंड में 3.7 किलो मीटर लंबी दोहरी संरचना विशेष आकर्षण है।इसमें उन्नत संकेत प्रणाली का उपयोग किया गया है,जिसे चालक रहित रेल परिचालन के अनुकूल बनाया गया है। मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं।ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है। चेन्नई की मेट्रो परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि इसमें सीमित शहरी भूमि का अधिक प्रभावी उपयोग करने के लिए दोहरी संरचना विकसित की गई है। हाँलाकि,किसी भी सार्वजनिक परिवहन परियोजना की वास्तविक सफलता यात्रियों की संख्या,नियमित परिचालन, स्टेशन तक पहुंच और सेवाओं की गुणवत्ता से तय होती है। इसलिए निर्माण के साथ यात्रियों की सुविधा और परिचालन

सुजलॉन 550 करोड़ से तीन एआई आधारित ‘विंड ब्लेड’ कारखाने लगाएगी

चेन्नई ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सुजलॉन समूह देश में पवन ऊर्जा उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अपने विशाल ऑर्डर बुक के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए 550 करोड़ रुपए का बड़ा निवेश कर रहा है। कंपनी तीन नए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित पवन टर्बाइन ब्लेड (विंड ब्लेड) कारखाने स्थापित करेगी, जिससे विनिर्माण क्षमता बढ़ेगी और तेजी से ऑर्डर पूरे किए जा सकेंगे। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार, इनमें से दो संयंत्र गुजरात और कर्नाटक में, जबकि तीसरा तमिलनाडु में स्थापित किया जाएगा। कुल 550 करोड़ रुपए के निवेश में से तमिलनाडु इकाई पर 200 करोड़ रुपए और शेष 350 रुपए करोड़ गुजरात व कर्नाटक की परियोजनाओं पर खर्च होंगे। ये कारखाने 2027 तक तैयार होने की उम्मीद है और इनका वित्तपोषण कंपनी अपने आंतरिक स्रोतों से करेगी। ये नए संयंत्र स्मार्ट फैक्ट्रियों के रूप में विकसित होंगे, जहां एआई, रोबोटिक्स और डिजिटल प्रणालियों का व्यापक उपयोग होगा, जिससे उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और परिचालन दक्षता में सुधार आएगा। पवन ऊर्जा स्थलों के निकट होने से परिवहन भी सुधरेगा। इन इकाइयों से लगभग 3,000 प्रत्यक्ष और 12,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है, जिनमें से 80त ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे। सुजलॉन के पास मार्च 2026 तक लगभग छह गीगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाओं के ऑर्डर हैं, जिन्हें पूरा करने में ये कारखाने अहम भूमिका निभाएंगे। सरकार भी देश में निर्मित कुशल पवन ऊर्जा उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है।

नए ऑर्डर और कोटक की रेटिंग अपग्रेड से केईसी इंटरनेशनल के शेयर उछले

नई दिल्ली ।

पिछले एक साल में भारी गिरावट झेलने के बाद केईसी इंटरनेशनल के शेयरों में उछाल आया। 1,030 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिलने पर कोटक इंस्टीट्यूशनल इंक्रीटीज ने इसकी रेटिंग ऐड में अपग्रेड की, हालांकि लक्ष्य मूल्य 470 से घटाकर 400 रुपये कर दिया। शुरुवात को केईसी इंटरनेशनल का शेयर 5.67 फीसदी चढ़कर 369.70 रुपये पर बंद हुआ, हालांकि यह अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 893.95 रुपये से काफी नीचे है। कोटक के अनुसार, भारत में बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार (अगले 10 वर्षों में 7.9 लाख करोड़ निवेश संभावित) और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं से कंपनी को लाभ होगा। ब्रोकरेज ने केवल और वायर कारोबार (अगले 3-4 वर्षों में 5,000 करोड़ राजस्व अनुमानित) तथा पश्चिमी एशियाई बाजारों में भी नए प्रोजेक्ट की उम्मीद जताई है। हालांकि, भुगतान में देरी, बढ़ती लागत और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि" वित्त वर्ष 27-28 की पहली छमाही तक मुनाफे पर दबाव रह सकता है। नए ऑर्डर से उम्मीदें बढ़ी हैं, लेकिन शेयर में आगे की तेजी कंपनी की वास्तविक कमाई और मुनाफे में सुधार पर ही निर्भर करेगी।

एच-1बी विवाद पर माइक्रोसाफ्ट बोला-80 फीसदी आवेदन मौजूदा कर्मचा रियों के लिए

ट्रंप-गुग की पाबंदियों के बीच कंपनी ने वीजा नीति पर दी सफाई, आरोपों को किया खारिज

वाशिंगटन ।

अमेरिकी प्रशासन द्वारा दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की ग्रीन कार्ड प्रायोजित करने की क्षमता पर रोक लगाने के बाद, कंपनी ने अपनी एच-1बी वीजा नीति का जोरदार बचाव किया है। माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया है कि उसके लगभग 80 प्रतिशत एच-1बी आवेदन नए कर्मचारियों की भर्ती के बजाय पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आब्रजन स्थिति को बदलने या बढ़ाने के लिए थे। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में उसके 6,000 एच-1बी आवेदनों में से लगभग 80 प्रतिशत पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आब्रजन स्थिति बदलने के लिए थे, न कि नए कर्मचारियों की भर्ती के लिए। माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, शेष आवेदन अमेरिका में पहले से कानूनी तौर पर रह रहे लोगों के लिए थे, जो कंपनी में शामिल हुए। ये आवेदन उसके अमेरिकी कार्यबल के लगभग एक प्रतिशत से संबंधित थे।

माइक्रोसॉफ्ट ने कम वेतन के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि एच-1बी कर्मचारियों को समान काम के लिए बराबर वेतन दिया जाता है। यह सफाई तब आई जब ट्रंप प्रशासन ने रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड प्रायोजन पर रोक लगाई। कंपनी ने अमेरिकी कार्यबल पर भरोसा जताते हुए प्रशासन को अतिरिक्त जानकारी देने की पेशकश की है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने प्रतिबंध के कानूनी आधार, अवधि और प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया।

लागत के बढ़ते बोझ से प्रभावित हो सकता है एफएमसीजी का परिचालन मुनाफा

सितंबर तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत और ग्रामीण मांग में कमी से परिचालन मार्जिन पर असर

नई दिल्ली ।

सितंबर तिमाही में देश की रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों के राजस्व में दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद है, लेकिन कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और ग्रामीण मांग में संभावित सुस्ती के कारण उनके परिचालन मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है। ब्रोकरेज रिपोर्टों के अनुसार,

कच्चे तेल और अन्य प्रमुख जिंसों की कीमतों में 'बढ़ोतरी' ने एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ाई है।

आईसीआईसीआई डायरेक्ट की एक रिपोर्ट' बताती है कि कम बारिश से कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग प्रभावित होने की आशंका है, जो मुनाफे पर असर डाल सकती है।

खाद्य महंगाई आगे चलकर शहरी मांग को भी प्रभावित कर

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 तक 11 प्रतिशत टूटा निफ्टी, वैश्विक चुनौतियों ने बिगाड़ी बाजार की चाल

मुंबई।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण दौर रहा। मजबूत घरेलू आर्थिक वृद्धि और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के समर्थन के बावजूद वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों ने बाजार की रफ्तार पर असर डाला। इस अवधि में निफ्टी इंडेक्स 11 प्रतिशत गिर गया, जबकि इसके अधिकांश घटकों ने नकारात्मक रिटर्न दर्ज किए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस कमजोरी की प्रमुख वजहें बाहरी कारक रहे, जिनमें अमेरिका-ईरान तनाव से बढ़ी कच्चे तेल की कीमतें, रुपए में कमजोरी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड

में बढ़ोतरी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने वर्ष 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 3.04 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले 2025 में भी एफपीआई ने 1.66 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी। लगातार निकासी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दिया।

सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में आईटीसी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, इफोसिल, जियो फाइनैशियल सर्विसेज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज

अयोध्या के श्री राम मंदिर को ‘ईट राइट प्लेस ऑफ वरशिप’ का प्रमाण पत्र मंदिर परिसर में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के अनुपालन पर मुहर, दो साल तक रहेगा मान्य

नई दिल्ली ।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने प्रतिष्ठित ईट राइट प्लेस ऑफ वरशिप प्रमाण पत्र प्रदान किया है। यह सम्मान मंदिर परिसर में प्रसाद व अन्य खाद्य पदार्थों की तैयारी एवं वितरण में उच्च खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के सख्त अनुपालन के लिए दिया गया है। यह महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र 11 अक्टूबर, 2026 से 10 अक्टूबर, 2028 तक दो साल की अवधि के लिए मान्य होगा। शनिवार को अयोध्या में आयोजित एक विशेष समारोह में एफएसएसएआई के एक अधिकारी ने यह प्रमाणपत्र श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंपा था। इसकी जानकारी एफएसएसएआई ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से दी।

एफएसएसएआई की ईट राइट प्लेसेज ऑफ वरशिप पहल ईट राइट इंडिया अभियान का एक अभिन्न अंग है। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को सुनिश्चित करना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण प्रसाद या भोजन मिल सके। यह पहल धार्मिक संस्थानों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने, अनियमितताओं को रोकने और संबंधित नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करती है। माणपत्र जारी करने से पहले एफएसएसएआई एक विस्तृत ऑडिट प्रक्रिया अपनाता है, जिसमें प्राथमिक ऑडिट, संबंधित संस्थान को प्रशिक्षण और फिर तृतीय-पक्ष एजेंसियों द्वारा अंतिम ऑडिट शामिल है।

अदाणी डिफेंस को उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन पुरस्कार

रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए एसोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैनुफैक्चरर्स (एसआईडीएम) का प्रतिष्ठित चैंपियन अवॉर्ड-2026 प्रदान किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में राजधानी में एसआईडीएम के आठवें वार्षिक सत्र में यह सम्मान दिया। अदाणी

डिफेंस एंड एयरोस्पेस को उसके उल्लेखनीय निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन अवॉर्ड-2026 से नवाजा गया है। यह पुरस्कार कंपनी के भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर ले जाने के प्रयासों को मान्यता देता है। कंपनी उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित अपने अत्याधुनिक विनिर्माण परिसर में छोटे कैलिबर के गोला-बारूद का उत्पादन करती है। इस सुविधा की वार्षिक उत्पादन क्षमता 30 करोड़



राउंड है, जिसमें स्वचालित तकनीक, एआई आधारित गुणवत्ता जांच और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का उपयोग किया जाता है। कंपनी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि यह सम्मान भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं और

कंपनियों के तिमाही परिणामों, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

एस बॉन्ड यील्ड और पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह देखी गई तेजी के बाद अब निवेशकों को मजबूती के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों और देश के प्रमुख महंगाई आंकड़ों पर केन्द्रित हो गया है। आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा तय करने में ये घरेलू संकेतक अहम भूमिका निभाएंगे। अगले सप्ताह एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, विप्रो जैसी आईटी दिग्गज, साथ ही एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे वित्तीय क्षेत्र के बड़े खिलाड़ी अपने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी करेंगे। इन नतीजों से न केवल संबंधित कंपनियों के शेयरों की चाल तय होगी, बल्कि यह पूरे सेक्टर और समग्र बाजार की निवेश धारणा को भी प्रभावित करेगा।

तिमाही नतीजों के साथ, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े भी इसी साप्ताह्य जारी होने हैं। ये

टाटा मोटर्स ने इवेको ग्रुप के अधिग्रहण की बोली बढ़ाई

- अब 3.91 अरब यूरो तक पहुंच सकती है कीमत

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने इटली की कमर्शियल व्हीकल निर्माता इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए अपनी पेशकश को और बढ़ा दिया है। नियामक मंजूरियों में हो रही देरी को देखते हुए कंपनी ने प्रति शेयर ऑफर प्राइस में 0.30 यूरो का इजाफा किया है। इसके बाद अब नया ऑफर प्राइस 14.40 यूरो प्रति शेयर हो गया है। अगर सभी शेयरधारक इस संशोधित ऑफर को स्वीकार करते हैं, तो इस सौदे की कुल कीमत बढ़कर लगभग 3.91 बिलियन यूरो (लगभग 39,100 करोड़ रुपये) तक पहुंच सकती है। पहले टाटा मोटर्स ने 14.10 यूरो प्रति शेयर का ऑफर दिया था। टाटा मोटर्स अपनी सब्सिडियरी टीएमएल सीबी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए यह अधिग्रहण कर रही है। कंपनी ने 2025 में इवेको के डिफेंस कारोबार को छोड़कर बाकी पूरे बिजनेस को खरीदने की योजना बनाई थी, जिसकी अनुमानित कीमत पहले लगभग 3.8 बिलियन यूरो थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि नियामक मंजूरियों में लगने वाले अधिक समय के कारण उसने यह फैसला लिया है। हालांकि, टाटा मोटर्स ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अब इस कीमत में कोई और बढ़ोतरी नहीं करेगी। यह नया ऑफर 17 जुलाई 2025 को इवेको के शेयर भाव से 33.47 फीसदी और 29 जुलाई 2025 को डील के आधिकारिक ऐलान से ठीक पहले के भाव से 6.77 फीसदी ज्यादा है।

एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार से बिकवाली का आंकड़ा तीन लाख करोड़ के पार

सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ निकाले थे

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी रहा, जिससे चालू वर्ष में उनकी कुल निकासी 3.04 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई है। अक्टूबर में अब तक एफपीआई ने भारतीय इंक्रीटी बाजार से 44,166 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिकी बॉण्ड पर बढ़ते प्रतिफल जैसे वैश्विक कारकों को इस निकासी का मुख्य कारण माना जा रहा है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। हालांकि,

जुलाई और अगस्त के महीनों में उन्होंने क्रमशः 20,200 करोड़ और 29,631 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था, जो मौजूदा बिकवाली के उलट एक राहत भरी तस्वीर थी। इस वर्ष अब तक हुई 3.04 लाख करोड़ रुपये की कुल निकासी पिछले पूरे वर्ष 2025 की 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली के मुकाबले काफी अधिक है, जो भारतीय बाजार से विदेशी पूंजी के लगातार पलायन को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बिकवाली को भारत की निवेश क्षमता पर अविश्वास के रूप में देखने के बजाय वैश्विक स्तर पर पूंजी के पुनर्वितरण के तौर पर समझा जाना चाहिए। बाजार के जानकारों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में आपूर्ति जोखिमों के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अलावा, मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी



बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल निवेशकों को अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित कर रहे हैं।

उत्तर एशियाई बाजारों में कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी तेजी भी विदेशी पूंजी को अपनी ओर खींच रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस भारी बिकवाली के कारण ही चालू वर्ष में निफ्टी में 13.87

प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो भारतीय बाजार के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन की प्रमुख वजह रही है।

विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध बिकवाली की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनका रुझान फिलहाल भारतीय संपत्तियों से दूर बना हुआ है।

भारत में एआई शिक्षा व बच्चों की सुरक्षा पर डब्ल्यूईएफ का जोर

नई दिल्ली ।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की एक एआई विशेषज्ञ ने भारत में शिक्षा प्रणाली में कृत्रिम मेधा (एआई) साक्षरता को एकीकृत करने और बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देने का आह्वान किया है। उन्होंने आगाह किया कि जहां एआई बच्चों के लिए नए अवसर पैदा करता है, वहीं हानिकारक सामग्री और निजता के उल्लंघन जैसे गंभीर जोखिम भी लाता है। उन्होंने भारत की विविधता के अनुरूप स्थानीय भाषाओं और डिजिटल साक्षरता पर आधारित एआई सुरक्षा उपायों की वकालत की। उन्होंने एआई साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने और बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली एआई प्रणालियों में अनिवार्य सुरक्षा आकलन का सुझाव दिया। उन्होंने माडल परीक्षण में बच्चों, शिक्षकों व अभिभावकों की भागीदारी पर जोर दिया, साथ ही बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को सरकारी प्रोत्साहन देने की बात कही। उनके अनुसार, सुरक्षा और नवोन्मेषण विरोधी नहीं, बल्कि पूरक लक्ष्य हैं। उन्होंने बच्चों की उम्र और विकास के अनुकूल मजबूत डिफॉल्ट सुरक्षा उपायों, सरल निजता सेटिंग्स और अभिभावकीय नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया।

नेटफिलक्स में फिर छंटनी की आशंका, सैकड़ों कर्मचारियों पर लटकी तलवार

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी अगले सप्ताह कर सकती है घोषणा

नई दिल्ली ।

वीडियो स्ट्रीमिंग की दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कंपनी आले सप्ताह की शुरुआत में अपने लगभग 5 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की आधिकारिक घोषणा कर सकती है, जिससे सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी प्रभावित होगी। यह कदम वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जारी व्यापक छंटनी के रुझान के बीच आया है, जहां कंपनियां परिचालन लागत और बढ़ती प्रतियर्था के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। नेटफिलक्स में संभावित छंटनी से कंपनी के मौजूदा कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा। वर्ष 2025 के अंत तक नेटफिलक्स में लगभग 16,000 कर्मचारी कार्यरत थे, ऐसे में 5 प्रतिशत की छंटनी का अर्थ सैकड़ों लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ सकती है। हालांकि, नेटफिलक्स ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। कंपनी में इससे पहले

वर्ष 2022 में भी बड़े स्तर पर छंटनी हुई थी, जब कारोबार की धीमी वृद्धि और शाक्यों की संख्या में गिरावट के कारण सैकड़ों कर्मचारियों को हटाया गया था। यह संभावित फैसला स्ट्रीमिंग उद्योग में बढ़ती प्रतियर्था के बीच आया है। गूगल के स्वामित्व वाला यूट्यूब लगातार दर्शकों और निज्ञापन से होने वाली कमाई का बड़ा हिस्सा आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा, कई मीडिया कंपनियां अपने कारोबार को मजबूत करने के लिए विलय और एकीकरण जैसे कदम उठा रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए, नेटफिलक्स ने पारंपरिक सदस्यता आधारित कारोबार से आगे बढ़कर विज्ञापन, लाइव कार्यक्रमों और गेमिंग जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार किया है। हालांकि, इन नई गतिविधियों के बावजूद कंपनी के सामने परिचालन लागत और कई प्रतियर्था से जुड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। नेटफिलक्स में संभावित छंटनी वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरियों में कटौती के व्यापक पैटर्न का हिस्सा है।





स्मृति को मिली नई जिम्मेदारी

यूनिसेफ इंडिया ने सेलिब्रिटी एडवोकेट बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनिसेफ इंडिया ने रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्मृति मंधाना को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। इस नई भूमिका में मंधाना बच्चों और युवाओं के समान अधिकारों और अवसरों की वकालत करने के अपने पूर्व के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। यह नियुक्ति 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर की गई, जो लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा, क्षमता और नेतृत्व पर प्रकाश डालती है, साथ ही उन बाधाओं पर भी जो अभी भी उनके विकल्पों को सीमित करती हैं।

भारत की खेल आइकन और युवा महिलाओं व लड़कियों के लिए रोल मॉडल, मंधाना लड़कियों को खेलने और आगे बढ़ने के लिए समान अवसरों की वकालत करेंगी। वह यूनिसेफ इंडिया के प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहयोग देगी ताकि किशोरियों को सशक्त बनाया जा सके, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके और वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। मंधाना ने कहा, मैं यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूं। बचपन में क्रिकेट खेलने ने मुझे सिखाया कि हर सपना एक अवसर से शुरू होता है। मेहनत, दृढ़ संकल्प और प्रोत्साहन से वह अवसर कुछ असाधारण बन सकता है। हर बच्चे और युवा को बड़ा सपना देखने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का अवसर मिलना चाहिए। यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंधिया मैककेफ्री ने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्मृति मंधाना का यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में स्वागत करते हुए प्रसन्न हैं। स्मृति की यात्रा, एक महत्वाकांक्षी युवा एथलीट से वैश्विक क्रिकेट आइकन तक, लड़कियों को दिखाती है कि जब प्रतिभा को अवसर मिलता है तो क्या संभव है। ऐसे समय में जब भारत दुनिया के सबसे बड़े बच्चों और युवाओं की पीढ़ी का घर है, लड़कियों के अधिकारों, नेतृत्व और कल्याण में निवेश करना किसी देश का सबसे समझदार निवेश है। हम स्मृति के साथ साझेदारी करने की आशा करते हैं ताकि हर लड़की को सीखने, खेलने, नेतृत्व करने और अपनी क्षमता पूरी करने का अवसर मिल सके।

हाल ही में महिला टीम की कप्तान बनी हैं मंधाना

अर्जुन पुरस्कार प्राप्त और भारत की अग्रणी खिलाड़ियों में से एक मंधाना, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हैं। वह उस टीम का हिस्सा थीं जिसने 2025 में भारत को पहला आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खिताब दिलाया। उसी वर्ष वह पहली महिला बनीं जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 से अधिक वनडे रन बनाए और पांच वनडे शतक लगाकर रिकॉर्ड बनाया। 2026 में, वह महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में अग्रणी रन-स्कोरर बनीं। वह विश्व की शीर्ष रैंक वाली महिला वनडे बल्लेबाज हैं और दो बार आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर रह चुकी हैं। मंधाना ने पहले यूनिसेफ-आईसीसी अभियानों का समर्थन किया है जो लैंगिक समानता और जीवन कौशल पर केंद्रित थे। वह यूनिसेफ के प्रोमिस टू चिल्ड्रन अभियान की भी समर्थक रही हैं।

दर्शक से जुड़े विवाद के बाद मेदवेदेव ने दर्ज की पहली जीत

शंघाई: रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने दर्शक से जुड़े विवाद के बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने शनिवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। चीन ओपन में डिसक्वालिफाई किए जाने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था। शंघाई मास्टर्स एटीपी 1000 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में मेदवेदेव को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा। स्ट्रफ ने पहला सेट 6-4 से जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन मेदवेदेव ने दूसरे सेट में 6-4 से वापसी की। निर्णायक तीसरे सेट में रूसी खिलाड़ी ने 6-3 से जीत हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद स्ट्रफ के खिलाफ मेदवेदेव का करियर रिकॉर्ड 10-2 हो गया है। मेदवेदेव को बीजिंग में चीन ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान नोवाक जोकोविच के खिलाफ खेलते हुए डिसक्वालिफाई कर दिया गया था। घटना तब हुई, जब उनके द्वारा स्टैंड की ओर मारी गई गेंद एक दर्शक की आंख में जा लगी। इस घटना के बाद अधिकारियों ने उन्हें मुकाबले से बाहर कर दिया। घटना के बाद मेदवेदेव ने माफी मांगी थी और कहा था कि यह जानबूझकर नहीं किया गया। बीजिंग टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए उन्हें मिलने वाली 2.85 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि भी गंवानी पड़ी। शंघाई में स्ट्रफ के खिलाफ मुकाबला उनकी इस घटना के बाद पहली उपस्थिति थी।



बढ़ सकती है सजा

रोनाल्डो को पुर्तगाल महासंघ ने किया अस्थायी निलंबित

नई दिल्ली। पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ के अनुशासन विभाग ने रोनाल्डो के संभावित नियम उल्लंघन की जांच शुरू की है। महासंघ के मुताबिक, मामले में पहले से लागू स्वतः निलंबन के अलावा रोनाल्डो पर अतिरिक्त अस्थायी प्रतिबंध भी लगाया गया है। मामले को तत्काल प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का फैसला किया गया है।



कोच जॉर्ज जीसस से विवाद के बाद छोड़ा था शिविर

रोनाल्डो का विवाद पुर्तगाल के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस के साथ हुआ था। बताया गया है कि नौवें के खिलाफ 2-1 की जीत के दौरान रोनाल्डो को मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला। वह मैच में स्थानापन्न खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करते नजर आए, लेकिन उन्हें खेलने के लिए नहीं बुलाया गया। रोनाल्डो के अनुसार, कोच ने मैच से पहले उन्हें लगभग 30 मिनट खेलने का मौका देने का आश्वासन दिया था। जब ऐसा नहीं हुआ, तो उन्हें लगा कि उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। रोनाल्डो ने यह भी दावा किया कि जीसस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले पर सार्वजनिक रूप से सफाई देने का वादा किया था, लेकिन वह भी पूरा नहीं हुआ। इसके बाद दोनों के बीच तनाव बढ़ गया। रोनाल्डो ने डेनमार्क के खिलाफ मुकाबले से पहले ही पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम का प्रशिक्षण शिविर छोड़ने का फैसला कर लिया।

रोनाल्डो ने टीम और समर्थकों से मांगी माफी

विवाद के बाद रोनाल्डो ने एक विस्तृत सार्वजनिक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने अपने साथियों और समर्थकों से माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि राष्ट्रीय टीम का शिविर छोड़ने के उनके फैसले के परिणाम हो सकते हैं। रोनाल्डो ने यह भी कहा कि एक आदर्श खिलाड़ी के रूप में उनकी जिम्मेदारी है कि उनके व्यवहार का आकलन सख्ती से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने फैसले के लिए मिलने वाली सजा स्वीकार करने को तैयार हैं, हालांकि उन्होंने कोच के व्यवहार की आलोचना भी की।

एक से छह महीने तक लग सकता है प्रतिबंध

पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ के अनुशासनात्मक नियमों के तहत रोनाल्डो को एक से छह महीने तक के निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ उन पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। हालांकि, रोनाल्डो की ओर से गलती स्वीकार करने को अंतिम सजा कम करने का आधार माना जा सकता है। फिलहाल महासंघ ने अंतिम दंड का फैसला नहीं किया है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पुर्तगाल के कप्तान को कितने समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम घोषित, रचिन की वापसी

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम का एलान कर दिया गया है। इसमें फिन एलेन, लॉकी फर्ग्युसन और टिम सीफर्ट की वनडे टीम में वापसी हुई है। वहीं, पिछले महीने कंधे में चोट लगने के कारण टी20 सीरीज से बाहर रहने वाले रचिन रवींद्र 50 ओवरों के इन मैचों के लिए चोट से उबारकर टीम में लौट रहे हैं। न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने पांच मैचों की इस वनडे सीरीज के लिए एक विभाजित (स्प्लिट) स्क्वाड का चयन किया है।



वनडे सीरीज का कार्यक्रम

भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीनों प्रारूपों की सीरीज खेलेगा। टी20 सीरीज के बाद दोनों टीमों पांच मैचों की वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी। पहला वनडे चार नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला सात नवंबर को वेलिंगटन में और तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई (टीरंगा) के बे ओवल मैदान पर खेले जाएंगे।

अंतिम दो वनडे के लिए सात अन्य खिलाड़ियों को जगह

चयनकर्ताओं ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि तीसरे वनडे के बाद कुछ खिलाड़ी पहले टेस्ट मैच की तैयारी के लिए सीधे वेलिंगटन रवाना हो जाएंगे, जो कि पहले टेस्ट का वेन्यू है। इस व्यवस्था के चलते अंतिम दो वनडे मैचों के लिए सात अन्य खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है। टीम के बल्लेबाज मार्क चापमैन चोट के कारण टी20 सीरीज से बाहर हो गए थे, लेकिन उन्हें वनडे टीम में शामिल किया गया है। मार्क चापमैन पिछले महीने यूरोपीय टी20 लीग के दौरान बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोटिल हो गए थे और फिलहाल उबर रहे हैं।

न्यूजीलैंड की वनडे टीमें

पहले तीन वनडे के लिए टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लाथम (विकेटकीपर), डेविल मिचेल, र्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, विल यंग, ब्लेयर टिकनर।
आखिरी दो वनडे के लिए टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्युसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

पूर्व बल्लेबाज ने सूर्यवंशी को दी महत्वपूर्ण सलाह

सहवाग बोले- वैभव में दिखती है अपनी झलक, वह सर्वश्रेष्ठ दौर में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी में अपनी झलक दिखती है। उन्होंने इस युवा सनसनी को भारत के लिए लंबा करियर बनाने पर ध्यान देने की सलाह दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,253 रन बनाने वाले सहवाग ने सूर्यवंशी की तारीफ की।

सहवाग बोले- पहली गेंद से शॉट मारना चाहते हैं वैभव

सूर्यवंशी ने अब तक आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 246 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 186 का रहा है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। अपने जमाने में सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार रहे सहवाग ने कहा, सूर्यवंशी इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में हैं और उनकी सोच कुछ बद तक मेरी जैसी है। वह पहली गेंद से ही बड़े शॉट खेलने के इरादे से उतरते हैं। अब यह देखना अहम होगा कि उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका कब मिलता है और वह कितने मैच खेलते हैं।

कप्तान गिल को जमकर सराहा

वनडे विश्व कप 2011 के विजेता सहवाग ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में 30 सितंबर को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में गिल की 133 गेंदों पर 223 रन की पारी का उल्लेख करते हुए कहा, इन दिनों कई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनमें से एक शुभमन गिल हैं, जो बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं। वह भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान भी हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 700 से ज्यादा रन बनाकर सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ और हाल ही में वनडे में अपना दूसरा दोहरा शतक भी लगाया। ऐसा करना आसान नहीं है। भारत के 2025 के इंग्लैंड दौर पर गिल ने पांच



टेस्ट मैचों में कुल 754 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने गावस्कर के 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाए गए 732 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। सहवाग का मानना है कि अगर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण मजबूत बना रहता है, तो टीम के पास 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने का अच्छा मौका होगा। उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारत का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताते हुए कहा कि विश्व कप में गेंदबाजी आक्रमण का मजबूत प्रदर्शन खिताबी सफलता की राह आसान कर सकता है। सहवाग ने कहा, हमारे तेज गेंदबाजों में बुमराह हैं, जो हमारे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। अगर विश्व कप में हमारा गेंदबाजी आक्रमण मजबूत रहता है, तो हम खिताब जीत सकते हैं।



कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026

13 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा भारत

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत ने कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 13 पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। शनिवार को अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक जीते। घरेलू मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों ने स्नूकर, इंग्लिश बिलियर्ड्स और अन्य क्यू स्पोर्ट्स स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पीटी उषा की मौजूदगी में पदक समारोह

इस चैंपियनशिप का आयोजन एफेक्स स्पोर्ट्स प्रमोशन ने किया, जबकि बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडियामेजबान रहा। प्रतियोगिता को वर्ल्ड कॉन्फेडरेशन ऑफ बिलियर्ड्स स्पोर्ट्स और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की मान्यता प्राप्त थी। पदक वितरण समारोह में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

आदित्य मेहता ने स्नूकर में जीता स्वर्ण

भारत के अभियान की अगुवाई आदित्य स्नेहल मेहता ने की, जिन्होंने पुरुष स्नूकर स्पर्धा में स्वर्ण पदक



जीता। फाइनल में उन्होंने अपने ही देश के ध्वज हरिया को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में हरिया को रजत पदक मिला, जबकि भारत के लक्ष्मण सिंह रावत और श्रीलंका के मोहम्मद तह इरशाद ने कांस्य पदक जीते।

अनुपमा और रेयान ने भी जीते स्वर्ण

महिला इंग्लिश बिलियर्ड्स स्पर्धा में अनुपमा रामचंद्रन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने फाइनल में भारतीय खिलाड़ी रेवना उमादेवी को

1-0 से हराया। उमादेवी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस स्पर्धा में ग्रेट ब्रिटेन की मैरी रॉबर्ट मैके और ऑस्ट्रेलिया की जूली वॉटसन ने कांस्य पदक जीते। पुरुष इंग्लिश बिलियर्ड्स में रेयान रजमी ने भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीता।

144 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में 40 से अधिक देशों के 144 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में इंग्लिश बिलियर्ड्स, स्नूकर, हेयबॉल, 10-बॉल पूल और ब्लैकबॉल की विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। यह पहली बार था जब बहु-विषयक कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन भारत में किया गया।

शताब्दी समारोह का भी बनी हिस्सा

यह प्रतियोगिता बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया के शताब्दी समारोह का प्रमुख हिस्सा भी रही। भारत के खिलाड़ियों ने घरेलू मैदान पर कई स्पर्धाओं के फाइनल में जगह बनाकर और पदक जीतकर देश की मजबूत स्थिति को रेखांकित किया। कुल 13 पदकों के साथ भारत का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय क्यू स्पोर्ट्स में देश की बढ़ती उपस्थिति और प्रतिस्पर्धी क्षमता को दर्शाता है।



टाईम पास

आज का राशिफल

चू चे चो ला ली
जू ले लो आ

आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ को भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

का की कू च ड
छ के को हा

कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सत्ता-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

मा नी नू जे जो
रा टी हू दे

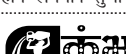
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपको निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

रा टी रु रे रो
ता ली तू ते

कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

ये वो मा नी नू
धा फा डा डे

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवसायिक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

चू चे गो सा
सी नू ले लो आ

कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाए। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

ही हू हे हो डा
डी हू डे डो

कई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सत्ता-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

तो पा पी पू प
ण ठ पे पो

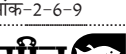
लाभ में आशातीत वृद्धि तब है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गौरख जोगे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

तो ना नी नू जे
नो य यी यू

अपने संबंधों में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

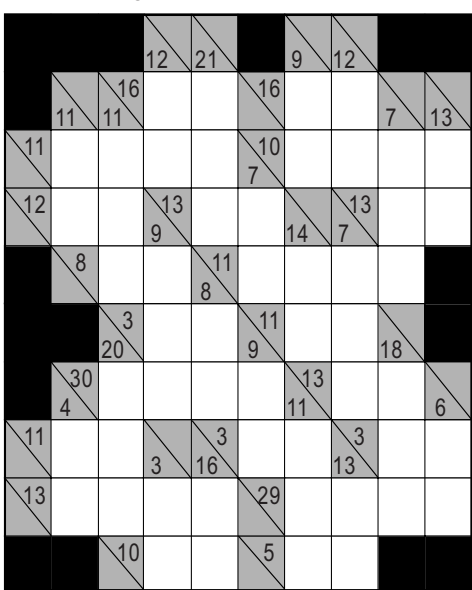
मे जा नी खी नू
खे खो गा नी

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चन और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवस, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

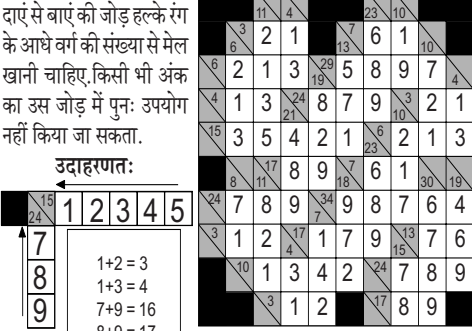
री हू थ डा ज दे
दो चा ची

कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाए। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

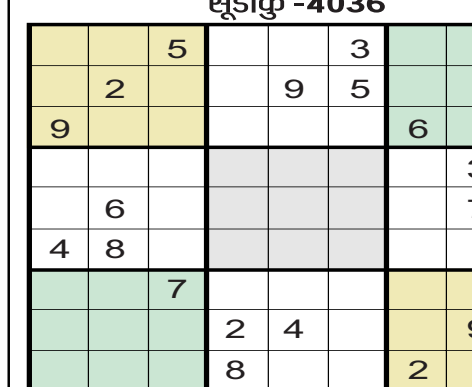
काकुरो पहेली - 4036



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।



उदाहरणतः



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू -4035 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

लॉफिंग जॉन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफ़ी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

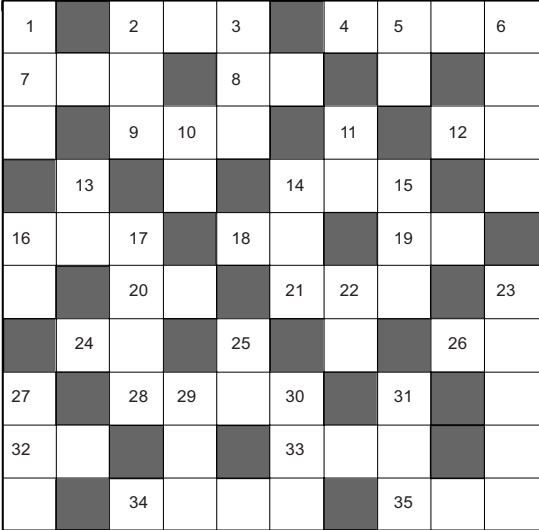
अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

फिल्म वर्ग पहेली - 4036



ऊपर से नीचे:-

१. तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३

२. खीना, गर्दभा, संजीव सूरि की 'बहार हो बहार' गीतवाली फिल्म-३

३. 'चोरी चोरी जब नजरे' गीतवाली फिल्म-३

४. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी? २-२

५. 'रस्ते में वो खड़ी' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४

६. 'संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीतवाली फिल्म-२

७. 'सावन के झूलें पड़े' गीतवाली फिल्म-३

८. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीतवाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३

९. 'बार बार दिन ये आये' गीतवाली जीतेन्द्र, बबिता की फिल्म-२

१०. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली सुनारी है 'गीतवाली फिल्म-४

११. 'पद में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२

१२. 'चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या अँखियाँ हैं' गीतवाली फिल्म-३,२

१३. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१४. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१५. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१६. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१७. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१८. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१९. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२०. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२१. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२२. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२३. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२४. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२५. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२६. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२७. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२८. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२९. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३०. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३१. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३२. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३३. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३४. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३५. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३६. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३७. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३८. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३९. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४०. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४१. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४२. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४३. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४४. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४५. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४६. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४७. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४८. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

४९. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

५०. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३

२. खीना, गर्दभा, संजीव सूरि की 'बहार हो बहार' गीतवाली फिल्म-३

३. 'चोरी चोरी जब नजरे' गीतवाली फिल्म-३

४. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी? २-२

५. 'रस्ते में वो खड़ी' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४

६. 'संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीतवाली फिल्म-२

७. 'सावन के झूलें पड़े' गीतवाली फिल्म-३

८. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीतवाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३

९. 'बार बार दिन ये आये' गीतवाली जीतेन्द्र, बबिता की फिल्म-२

१०. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली सुनारी है 'गीतवाली फिल्म-४

११. 'पद में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२

१२. 'चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या अँखियाँ हैं' गीतवाली फिल्म-३,२

१३. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१४. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१५. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१६. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१७. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१८. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

१९. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२०. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२१. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२२. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२३. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२४. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२५. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२६. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२७. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२८. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

२९. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३०. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३१. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३२. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३३. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३४. 'भैया मेरे पापा को' गीतवाली फिल्म-२

३५. 'भैया मे

जिंदगी में धक्के लगाने पर संभालते हैं कुछ लोग



बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी फिल्मों से अपनी अलग छाप छोड़ने वाली एक्ट्रेस दिव्या दत्ता अपनी 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चे में हैं। उन्होंने औरतों से लेकर मनोज बाजपेयी संग काम करने को लेकर बात की है।

तकरीबन 30 साल इंडस्ट्री में बिताने वाली दिव्या दत्ता अपने करियर में नेशनल अवॉर्ड की हकदार भी रही। अनगिनत भूमिकाएं जी चुकी दिव्या पिछले दिनों 'चिड़िया' में अपने रोल के लिए खूब सराही गई। इन दिनों मनोज बाजपेयी के साथ वे 'लास्ट मैन इन टावर' की सशक्त भूमिका से चर्चा में हैं। उनसे एक खास मुलाकात।

आज भी मां से बातें करती हूं

दिव्या दत्ता के लिए उनकी मां बहुत बड़ी इन्सपिरेशन रही हैं। उनकी मां के गुजर जाने के बाद वे लंबे समय तक अवसाद में रही, मगर आज भी वे अपनी मां को अपने करीब महसूस करती हैं। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मां के साथ का रिश्ता हर किसी के लिए अनकंडीशनल होता है, जहां

आपको कुछ जताने की, बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, मगर आज भी मैं उनसे बात करती हूं। वो एक जो स्ट्रेंथ है, वो बाहर से झाड़कर नहीं थी, आज वो अंदर से आती है। सवाल हजार उठते हैं, कन्फ्यूजन होता है, कई बार लगता है ये रोल करूं या न करूं, कई बार कश्मकश के हालात पैदा होते हैं, मगर फिर मुझे जवाब मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूं कि जिनसे आप जुने होते हैं अर्थात जिनसे आपका जन्म हुआ होता है, आप वो अवसान के बाद भी कहीं नहीं जाते। वो तो आपके आसपास ही रहते हैं। जब भी आप मुश्किल में होते हैं, कहीं न कहीं आपका हाथ थाम लेते हैं। जब जिंदगी में आपको कुछ धक्के लगते हैं, तब वो कार के सर्पेंशन टायर की तरह आपको संभाल लेते हैं।'

औरतें पहले खुद को संवारे

हाल ही में रिलीज हुई दिव्या की फिल्म लास्ट मैन इन टावर में दिव्या ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो जिंदगी से थक चुकी है और अब अपनी खुशियों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। एक औरत की निजता, उसका टी ड्राइम

और उसके ख्वाब कितने जरूरी हैं? इस पर दिव्या दत्ता कहती हैं, 'हम महिलाओं की कंडीशनिंग ही ऐसी हुई है कि हम दूसरों के बारे में पहले सोचते हैं। हमारे मल्टीटास्किंग होने की जड़ो जड़ में हम महिलाएं जीना भूल जाती हैं। मुझे क्या अच्छा लगता है? मुझे याद है, कोविड में हम बैडमिंटन खेला करते थे, तो एक दिन मैंने सोसायटी की एक आंटी से कहा कि वो भी बैडमिंटन खेलने आए। वो बोली, 'मैं बचपन में खेला करती थी, अब कहा?' तो ये जो 'अब कहा?' है न ये महिलाओं की सबसे बड़ी रुकावट है। कई बार मुझे समझ नहीं आता, 'अब कहा?' यानी क्या?'

मुखौटे पहनकर ट्रेलिंग की जाती है

सोशल मीडिया को हैंडल करने के मुद्दे पर वे कहती हैं, 'हर चीज के फायदे-नुकसान दोनों होते हैं। आज दुनिया सिमट गई है। फायदा ये है कि आप अगर अपने काम के बारे में कुछ शेयर करना चाहते हैं, तो खबर तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। आपको तुरंत रिसपोन्स आज आता है। मैं इस मामले में बहुत खुशकिस्मत हूँ कि मुझे ट्रेलिंग का सामना नहीं करना पड़ा, मगर जो लोग मुखौटे पहनकर सोशल मीडिया पर ट्रेल करते हैं, उन्हें

इग्नोर करना बेहतर होता है। आप चाहे मिसोजनी की बात करें या आम ट्रेलिंग की, उस पर रिएक्ट करना है या उसे इग्नोर करना है, ये हमारे हाथ में होता है। हमारी शांति उसी में है कि हम अपना काम करते रहें और लगातार उसी पर फोकस करें। सोशल मीडिया पर एक पर्सेंट लोग आपको ट्रेल करना चाहते होंगे, बाकी के 99 फीसदी लोग आपको बहुत प्यार करते हैं, जो आपके ट्रेल्स से वही पर भिड़ जाते हैं। वहां पर अनगिनत लोग आपके लिए खड़े भी होते हैं, तो हमें अपना अच्छा काम करते रहना है।'

मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका

'मैंने लास्ट मैन इन टावर से पहले भी मनोज बाजपेयी के साथ तैर जारा, स्पेशल छब्बीस, एलओसी कारगिल, ट्रैफिक आदि में काम किया था, मगर हमारे कभी भी कोई सीन साथ में नहीं रहे। लास्ट मैन इन टावर में मुझे पहली बार मनोज बाजपेयी जैसे जगदू को महसूस करने का मौका मिला। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। बहुत जल्द हम एक और फिल्म में साथ दिखेंगे।'



टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' कहने पर रोहित रॉय ने दी सफाई

रोहित रॉय छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपने लगभग 30 वर्षों के करियर में कई हिट टीवी शो में काम कर चुके हैं। इनमें 'स्वाभिमान', 'कुसुम', 'भाभी' और कई अन्य शो शामिल हैं, लेकिन एक्टर पिछले कुछ समय से अपने एक बयान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, अभिनेता ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए भारतीय टेलीविजन को 'डस्टबिन मीडियम' बता दिया था, जिसके बाद उनके बयान की खूब आलोचना हुई। अब रोहित रॉय ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि वह किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं था। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि कुछ युवा कलाकारों ने बिना पूरी बात समझे उन पर पर्सनल अटैक किए। अभिनेता ने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से होती है कि कुछ युवा कलाकारों ने पूरा इंटरव्यू देखे बिना, सिर्फ विलकबेट हेडलाइन देखकर मेरे खिलाफ प्रतिक्रिया दी और मुझ पर पर्सनल हमले किए। जब मैं 'डस्टबिन मीडियम' कहता हूँ, तो मेरा मतलब यह है कि हम कुछ भी बनाते हैं और टीवी पर दिखा देते हैं और सोचते हैं कि लोग इसे देखेंगे।' एक्टर ने आगे कहा, 'जो भी क्रिएटिव है और टेलीविजन को बेहतर बनाना चाहता है, उससे मैं यही कह रहा हूँ कि आज हम जिस तरह का कंटेंट बना रहे हैं, वह उस स्तर का नहीं है। मैं आज ओटीटी क्यों देख रहा हूँ? क्योंकि वहां मुझे कुछ बेहतरीन चीजें देखने को मिल रही हैं।' रोहित ने कहा कि लोकतंत्र में लोग उनसे असहमत हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पहले उनके बयान का संदर्भ समझना चाहिए। अभिनेता ने उन कलाकारों पर भी नाराजगी जताई, जिन्होंने उनके खिलाफ बयान दिए। एक्टर ने कहा, 'मैंने किसी एक्टर, डायरेक्टर या प्रोड्यूसर के बारे में बात नहीं की थी। तो उन 3-4 लोगों के बारे में सोचिए, जिन्होंने टीवी पर कमेंट किया। उन्होंने टीवी पर उतनी मेहनत नहीं की है, जितनी मैंने की है। लेकिन इस विवाद को खत्म करने के लिए मैं इतना कहना चाहता हूँ कि मैंने हमेशा टेलीविजन के हित के बारे में सोचा है। पिछले 30 वर्षों से मैं टेलीविजन के लिए आवाज उठाता रहा हूँ।'



'हुंकार: द रोअर' में जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा

हाल ही में रिलीज हुई 'हुंकार: द रोअर' को मिल रहे प्यार और तारीफों से फातिमा सना शेख बेहद खुश हैं। कोर्टरूम ड्रामा अपनी कहानी और मुद्दों को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फातिमा ने लिखा, 'जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। शो बनाते वक्त शायद मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसका लोगों पर इतना असर होगा या यह आज भी इतना प्रासंगिक लगेगा। जिस तरह हमारे देश में कई मीनू हैं, उसी तरह कई जसलीन भी हैं... ऐसे पुलिस अधिकारी जो सच में कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों की परवाह करते हैं और हर मुश्किल के बावजूद अपनी कोशिश जारी रखते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'हुंकार' को मिल रहे इतने प्यार से मेरा दिल भर आया है। इसे देखने, इसे महसूस करने और इन जरूरी बातचीत का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का शुक्रिया।



श्रेया सरन ने की 'दृश्यम 3' को-स्टार अजय देवगन की तारीफ

'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म 'दृश्यम: द कन्वल्जन्' को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की। बातचीत में श्रेया सरन ने कहा, 'अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं।'

श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अनुशासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है।' अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अभिषेक पाठक ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और रिस्क पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं।' श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर भी बात की



और कहा, 'मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूँ और जानती हूँ कि यह किरदार किस तरह सोचता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी।' 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय सालगांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच-समझकर कदम उठाता है और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके। 'दृश्यम: द कन्वल्जन्' में अजय देवगन और श्रेया सरन के अलावा तब्बू, जयदीप अहलावत, रजत कपूर, प्रकाश राज, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव जैसे कलाकार भी हैं। 'दृश्यम: द कन्वल्जन्' इसी नाम की मलयालम फिल्म का हिंदी रूपांतरण है। इस कहानी को तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी बनाया जा चुका है। हिंदी फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच दिलचस्पी बनी हुई है। 'दृश्यम: द कन्वल्जन्' 2 अक्टूबर से सिनेमाघरों में उपलब्ध है।



फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' के सफर को शीना चौहान ने बताया शानदार

अभिनेत्री शीना चौहान की तेलुगु साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' रिलीज के लिए लेकर तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में कॉप की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें उनके साथ अभिनेता जेडी चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'जातस्य मरणं ध्रुवम' शूटिंग के दौरान जेडी चक्रवर्ती के साथ एक स्पेशल पल। कुछ किरदार कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ रह जाते हैं। आईपीएस ऑफिसर और कॉप का किरदार निभाना बहुत ही

शानदार रहा! आप सब क्या देखने वाले हैं, इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती। 'श्रवण जोन्नादा द्वारा निर्देशित फिल्म का शीर्षक भगवद्गीता के एक प्रसिद्ध श्लोक से प्रेरित है, जिसका अर्थ है 'जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है।' फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत मशहूर संगीतकार गिब्रान ने तैयार किया है जबकि फिल्म का निर्माण सुलक्ष एंटरटेनमेंट मीडिया के बैनर तले मलकापुरम शिव कुमार कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री शीना चौहान के साथ जेडी चक्रवर्ती, नरेश आगस्थ, सीरत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जधियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में जेडी चक्रवर्ती एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अभिनेत्री शीना चौहान उनकी असिस्टेंट पुलिस अधिकारी 'अनुष्ठा' के रोल में एक्शन और मार्शल आर्ट्स का दम दिखाती नजर आएंगी। यह फिल्म रहस्य, सस्पेंस, अप्रत्याशित ट्विस्ट, फॉरेंसिक सुरागों और मानसिक माइंड गेम्स से भरपूर एक गहन खोजी कहानी है। फिल्म की कहानी एक मर्डर के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दर्शकों को चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे।

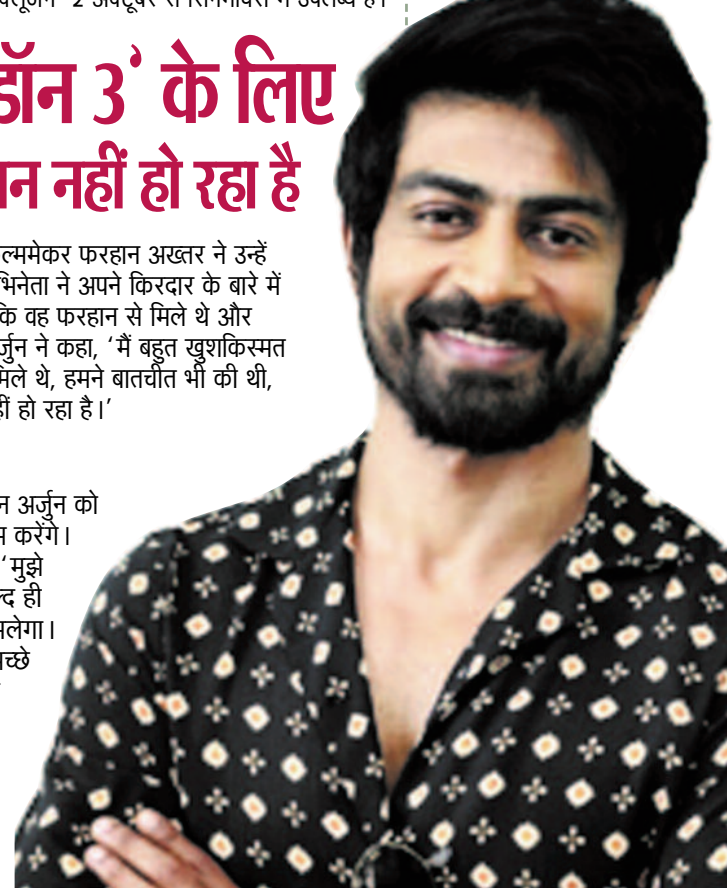
यह फिल्म तेलुगु भाषा के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज के लिए तैयार की गई है। तेलुगु थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' सितंबर-अक्टूबर 2026 के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित की गई है। फिल्म के निर्देशक श्रवण जोन्नादा ने हाल ही में पुष्टि की है कि वे इस अवधि के दौरान एक बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

बदकिस्मती से 'डॉन 3' के लिए फरहान से कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है

तमिल अभिनेता अर्जुन दास ने बताया है कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने उन्हें 'डॉन 3' के लिए अप्रोच किया था। हालांकि अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने कन्फर्म किया कि वह फरहान से मिले थे और प्रोजेक्ट पर बातचीत भी हुई थी। बातचीत में अर्जुन ने कहा, 'मैं बहुत खुशकिस्मत था कि मुझे फरहान सर का कॉल आया। हम मिले थे, हमने बातचीत भी की थी, लेकिन बदकिस्मती से अब यह कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है।'

अभिनेता ने जताई उम्मीद

भले ही यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हो पाया, लेकिन अर्जुन को उम्मीद है कि वे भविष्य में फरहान के साथ काम करेंगे। फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है और मैं आशा करता हूँ कि मुझे जल्द ही फरहान सर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मुझे लगता है कि वह आम तौर पर मिले सबसे अच्छे और विनम्र लोगों में से एक हैं। तो हां, मैं इस बारे में झूठ नहीं बोलना चाहता। यह कोलैबोरेशन होने वाला था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।' इसी बातचीत के दौरान अर्जुन ने यह भी बताया कि वे जल्द ही एक हिंदी प्रोजेक्ट में नजर आएंगे, जो अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेट में है।



अमेरिका में इसाईस तूफान से भारी तबाही की आशंका, फ्लोरिडा-अलबामा संवेदनशील

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तूफान इसाईस तेजी से मजबूत हो रहा है। फ्लोरिडा और अलबामा तट की ओर बढ़ रहा यह तूफान श्रेणी 3 का है। तूफान शुक्रवार रात तक (स्थानीय समय) लैंडफॉल कर सकता है। देश के नेशनल हरिकेन सेंटर ने समुद्र में 6 से 9 फीट ऊंचे तूफान के उछाल की चेतावनी दी है। तेज हवाएं, बाढ़ और बवंडर भी आ सकते हैं। घरों की सुरक्षा के लिए निवासियों ने जनरेटर तैयार किए। उन्होंने बाथटब में पानी भरा और रेत की बोरियां भी भरीं। फ्लोरिडा के राज्यपाल रॉन डि-सैंटिस ने बिजली कटौती और गैस की कमी की आशंका जताई। तूफान 193 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से आगे बढ़ रहा है।

फ्रांस में भारतीय युवक को 20 साल की सजा

पेरिस, एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने 29 वर्षीय भारतीय रोहन राणे को लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचार में शामिल समूह का नेतृत्व करने के लिए 20 साल की जेल की सजा सुनाई। राणे ने डिस्कॉर्ड पर यह समूह बनाया था, जिसमें अमेरिका, जर्मनी और न्यूजीलैंड के युवक शामिल थे। जांच में 20 से अधिक पीड़ितएं मिलीं, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं। पेरिस, एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय युवक को 20 साल की जेल की सजा सुनाई। उस पर पुरुषों के एक ऐसे समूह के नेतृत्व का दोषसिद्ध हुआ है, जो नाबालिगों समेत कई लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचार में शामिल था। जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय रोहन राणे ने सोशल मीडिया मंच ‘डिस्कॉर्ड’ पर एक समूह बनाया था। इसमें अमेरिका, जर्मनी, न्यूजीलैंड के कई युवा शामिल थे। सरकारी वकील के अनुसार, इस समूह में शामिल पुरुष लड़कियों को झारों से लेकर फंसाते थे। बाद में उनके साथ हिंसा और यौन गतिविधियों के लिए मजबूर किया जाता था। इस गिरोह का खुलासा तब हुआ, जब कुछ समय पहले छह युवातियों ने आधिकारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में 20 से अधिक पीड़िताओं की जानकारी मिली, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं।

अमेरिका: ट्रंप ने केटी जकारिया को चुना व्हाइट हाउस का अगला प्रेस सचिव, कैरोलिन लेविट की लेंगी जगह

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी मीडिया कंपनी की संचार सलाहकार केटी जकारिया व्हाइट हाउस की अगली प्रेस सचिव होगी। वह कैरोलिन लेविट की जगह लेंगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रथ सोशल पर जकारिया के नाम का ऐलान किया। वह अक्सर इस मंच पर राजनीतिक और आधिकारिक घोषणाएं करते हैं। जकारिया, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप के लिए रूढ़िवादी विचारों वाली टिप्पणीकार हैं। यही कंपनी सोशल मीडिया साइट का संचालन करती है। जकारिया को इस पद के लिए चुनते हुए ट्रंप ने उन्हें ‘शुरुआत से ही एक वफादार और प्रतिभाशाली समर्थक’ बताया। जकारिया ने इस साल की शुरुआत में कुछ समय के लिए गृह सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता के रूप में काम किया था। वह फॉक्स न्यूज और न्यूजमेक्स के लिए भी टिप्पणीकार रही हैं। ट्रंप ने कहा कि जकारिया उनके राष्ट्रपति चुनाव अभियानों से जुड़ी रही हैं। खास तौर पर उन राज्यों में, जहां चुनावी मुकाबला कड़ा था। जकारिया से इस बारे में प्रतिक्रिया मांगी गई थी, लेकिन तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। लिंवडइन पर मौजूद उनकी प्रोफाइल के अनुसार, उन्होंने पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से कानूनी की डिग्री हासिल की है। कैरोलिन लेविट ने 12 अगस्त को पद छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने 27 अगस्त को यह पद छोड़ा। फॉक्स न्यूज नेटवर्क ने सोमवार को बताया कि लेविट 1 नवंबर से फॉक्स न्यूज चैनल पर कार्यक्रमों में योगदान देने वाली विशेषज्ञ के रूप में काम करेंगी। लेविट जनवरी 2025 में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव बनी थीं। उन्होंने बताया था कि वह अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए यह पद छोड़ रही हैं। व्हाइट हाउस में काम करने से पहले लेविट, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में ट्रंप की राष्ट्रीय प्रेस सचिव थीं।

पनामा में भूकंप के दो शक्तिशाली झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.7 और 6.6, कई इमारतें गिरीं

पनामा सिटी (पनामा), एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश पनामा में शुक्रवार को दो शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए, पहले 7.7 तीव्रता के भूकंप से झटकों से लोग हिल गए, उसके बाद 6.6 तीव्रता का एक और झटका लगा। लगातार भूकंप के झटकों से वहां अपरा-तफरी का माहौल बन गया. लोग घबरा गए.जानकारी मिली है कि कई इमारतें गिर गई हैं. हालात को देखते हुए लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है. सोशल मीडिया ‘एक्स’ पर शेयर की गई एक पोस्ट में, नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप 9 अक्टूबर को रात 11:26 बजे 10 किलोमीटर

की गहराई पर आया. दी गई जानकारी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र पनामा सिटी, पनामा से 206 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था. इस बीच, पनामा में अमेरिकी दूतावास ने बताया कि 9 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:56 बजे पनामा के ला पितालोजा में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र पितालोजा अरिबा से लगभग 14 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था. दूतावास ने चेतावनी दी कि नुकसान पहुंचाने वाले भूकंप के झटके आ सकते हैं. उसने यह भी कहा कि अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने कोस्टा रिका, अल साल्वाडोर, पेरू, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, पनामा, निकारागुआ,

नॉर्वे पर भड़के हैं ट्रंप: बोले-आठ बार युद्ध रोकने के लिए मिलना चाहिए था नोबेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर नॉर्वे की नोबेल कमेटी पर तीखा हमला बोला है. दक्षिण अफ्रीकी मूल की भारतीय न्यायविद् नवी पिल्लई को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिए जाने पर ट्रंप ने कड़ी नाराजगी जताई है. उन्होंने दावा किया कि दुनिया भर के कई बड़े युद्धों और विवादों को सुलझाने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका के लिए असल में वह खुद इस सम्मान के हकदार थे.

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘ट्रथ सोशल’ पर एक बेहद लंबी पोस्ट शेयर कर नोबेल कमेटी के फैसले पर सवाल उठाए. उन्होंने नवी पिल्लई की योग्यताओं को खारिज करते हुए उन पर इजरायल-विरोधी होने का आरोप लगाया. ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में दुनिया के आठ बड़े युद्धों को शांत कराया है, इसलिए उन्हें एक नहीं बल्कि 8 नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे. ‘इस महिला को कोई नहीं जानता, यह नॉर्वे पर एक बदनुमा दाग ‘अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लिखा, ‘यह उस महिला को महान संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊपर चुनकर नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है, जिसके प्रतिनिधि यानी ‘मैंने’ 8 युद्धों और



कई अन्य मामलों को सुलझाया. मैं इस महिला के बारे में कुछ नहीं जानता और न ही कोई और जानता है!’ ट्रंप ने आगे कहा, ‘सच तो यह है कि मेरी जानकारी के मुताबिक, कोई भी उनके बारे में इसके अलावा कुछ नहीं जानता कि वह बहुत साफ तौर पर इजरायल से नफरत करती हैं.’ ट्रंप ने नोबेल कमेटी की आलोचना करते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को मेरे जरिए यह पुरस्कार मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. यह नॉर्वे पर एक ऐसा बदनुमा और अमिट दाग है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा. उन्होंने आरोप लगाया कि नोबेल शांति पुरस्कार को कुछ मुद्दे भर कट्टरपंथी विचारकों ने हमशा के लिए बदनाम कर दिया है, जो लोकतंत्र के विरोधी और सभ्यता के दुश्मन हैं. ट्रंप ने गिनाए वो ‘8 युद्ध’ जिन्हें सुलझाने का किया दावा डोनाल्ड ट्रंप ने उन 8 अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की पूरी

सूची भी साझा की, जिन्हें उन्होंने पूरी तरह शांत कराने का दावा किया है. ट्रंप के मुताबिक, इन देशों के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों ने खुद नॉर्वे की नोबेल कमेटी को पत्र भेजकर उनके योगदान की तारीफ की थी. ट्रंप द्वारा गिनाए गए 8 विवाद इस प्रकार हैं: कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और रवांडा, पाकिस्तान और भारत, इजरायल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया, आर्मेनिया और अजरबैजान, इजरायल और हमास ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने इजरायल में सभी बंधकों को वापस लाया, जिसमें जीवित और मृत दोनों मिलाकर आखिरी 28 बंधक शामिल थे, और ऐसा करने के लिए उन्होंने सीधे हम्लास के साथ काम किया. उन्होंने कहा कि दो और बड़े मोर्चों-ईरान और रूस-यूक्रेन विवाद को भी वह बहुत जल्द सुलझाने या जीतने वाले हैं. इसके साथ ही उन्होंने उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और ताइवान के क्षेत्रों में भी तनाव को रोकने का श्रेय लिया. ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जिन युद्धों को मैंने सुलझाया, उनमें कभी संयुक्त राष्ट्र से बात नहीं की, क्योंकि वे किसी काम के नहीं थे. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने किया ट्रंप का समर्थन अमेरिकी राष्ट्रपति के इस गुस्से के बीच पाकिस्तान के

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों का खुला समर्थन किया है. शहबाज शरीफ ने दोहराया कि पाकिस्तान ने ट्रंप के उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए आधिकारिक तौर पर उनका नाम नामांकित किया था. पाकिस्तानी पीएम ने उम्मीद जताई कि शांति को बढ़ावा देने के ट्रंप के इन प्रयासों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी. भारत ने ट्रंप के दावों को किया खारिज एक तरफ जहां ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को सुलझाने का श्रेय ले रहे हैं, वहीं नई दिल्ली (भारत) ने ट्रंप के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है. भारत ने हमेशा की तरह साफ किया है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में किसी भी बाहरी मध्यस्थता की कोई भूमिका नहीं थी. भारतीय अधिकारियों के अनुसार, यह सीजनभर पूरी तरह से द्विपक्षीय (दोनों देशों के बीच) बातचीत का नतीजा था. पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए 7 मई को ‘ऑपरेशन सिंदूर’ शुरू किया था. भारतीय सेना के इस कड़े एक्शन के बाद, जब पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के लॉन्च पैड पूरी तरह ध्वस्त हो गए।

अमेरिकी नौकरी विदेश भेजी तो लगेगा भारी टैरिफ, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की कंपनियों को चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि जो कंपनियां अमेरिकी नौकरियों विदेशों में ले जा रही हैं या अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कानूनी अप्रवासियों को रखेंगी, उन्हें भारी टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करना और देश में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। ओहायो के लीमा शहर में एक रिपब्लिकन मिडटर्म चुनावी रैली को संबोधित करते हुए वेंस ने कहा कि जो कंपनियां अमेरिका में उत्पादन करेंगी और अमेरिकी नागरिकों को रोजगार देंगी, उन्हें सरकार प्रोत्साहन देगी। वहीं, जो कंपनियां अपने कारखाने और नौकरियां विदेश भेजेंगी, उन्हें सजा के तौर पर टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वेंस ने कहा कि अगर आप अमेरिका में सामान बना रहे हैं और अमेरिकी



नागरिकों को रोजगार दे रहे हैं, तो बहुत बढ़िया। हम आपको बड़ा टैक्स कट देंगे और उत्पादन बढ़ाने और कारोबार विस्तार के लिए प्रोत्साहित करेंगे। हालांकि अगर आप अमेरिकी नौकरियां विदेश भेज रहे हैं, अपना कारखाना किसी विदेशी कंपनी को स्थानांतरित कर रहे हैं या बाद में अमेरिकी कर्मचारियों की जगह किसी कानूनी अप्रवासी को रखने की कोशिश कर रहे हैं, तो आपको क्या मिलेगा? भारी टैरिफ। वेंस की यह टिप्पणी इसलिए अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने

अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा की बात करते हुए कानूनी अप्रवासियों को भी स्पष्ट रूप से जिक्र किया। हालांकि, उपराष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि कानूनी अप्रवासियों को रोजगार देने वाली कंपनियों पर किसी नए टैरिफ को कैसे लागू किया जाएगा या ऐसी कोई नई नीति कब लाई जाएगी।

इसके बावजूद उनकी टिप्पणियों से यह साफ संकेत मिला कि प्रशासन रोजगार के मामले में अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिकता देने और कंपनियों को अमेरिका के भीतर उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है। वेंस ने कहा कि प्रशासन की नीतियों का उद्देश्य दशकों से चली आ रही औद्योगिक गिरावट को पलटना और अमेरिकी मैनुफैक्चरिंग नौकरियों को विदेश जाने से रोकना है। अपने गृह नगर मिडलटाउन, ओहायो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि

उन्होंने अपनी आंखों के सामने फैक्ट्रियां बंद होते और नौकरी जाने के बाद परिवारों से सहायता लेते देखा है। उन्होंने कहा, ‘मैं जानता हूं कि जब मां या पिता अपनी नौकरी छो देते हैं तो परिवारों पर उसका क्या असर पड़ता है।’ वेंस का कहना था कि सरकारी नीतियां ऐसी होनी चाहिए जो कंपनियों को विदेशों में नौकरियां भेजने के बजाय अमेरिका में निवेश और उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा, ‘हम अपने लोगों के लिए लड़ेंगे।’ उपाध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि प्रशासन की आर्थिक नीतियों के कारण खराबों डॉलर का निवेश आया है और मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र में नई नौकरियां पैदा हुई हैं। वेंस ने ओहायो में ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस और दवा कंपनियों के प्रस्तावित निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि इससे अमेरिका में विनिर्माण गतिविधियां बढ़ेंगी।

ट्रंप ने पुतिन से की बड़ी डील, डीजल समझौते पर जेलेंस्की बोले- युद्ध के बीच निवेश जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को लेकर बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि रूस अमेरिका को 3,00,000 मीट्रिक टन से ज्यादा डीजल की सप्लाई करने जा रहा है. उन्होंने कहा कि यह सप्लाई तुरंत की जाएगी. बता दें, ट्रंप प्रशासन अगले महीने 3 नवंबर को होने वाले मध्यवर्ध चुनाव से पहले ईंधन की बढ़ते दामों को कम करने के प्रयास में जुटा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को रूस के साथ हुई डीजल डील को ‘बड़ी डील’ बताया और अमेरिका को ‘भारी मात्रा’ में डीजल की आपूर्ति करने पर सहमति जताने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का धन्यवाद भी किया. ट्रंप ने न्यूयॉर्क के सिरैक्यूज में मिड-टर्म चुनाव प्रचार के लिए जाने से पहले व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि मुझे लगता है कि आपने रूस के साथ हुई तेल डील के बारे में सुना होगा. यह एक बड़ी डील है. इससे हमारे देश में बहुत बड़ी मात्रा में तेल आ रहा है. मैं राष्ट्रपति पुतिन का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं. हमारे देश में भारी मात्रा में तेल आ रहा है, और यह डीजल है, जिसकी हमें जरूरत है. यह बयान उनकी उस घोषणा के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि रूस तुरंत अमेरिकी को वैश्विक बाजारों में 3,00,000 टन से ज्यादा डीजल की सप्लाई करेगा. ‘ट्रथ सोशल’ पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि रूस नवंबर में 5,00,000 टन और उसके तुरंत बाद 10 लाख टन डीजल की सप्लाई करेगा. इसके बाद, अपनी डीजल रिफाइनरियों की स्थिति के आधार पर, कुछ ही समय में 30 लाख टन और डीजल की



सप्लाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सप्लाई और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी कंट्रोल से अमेरिकियों और ‘ग्लोबल मार्केट’ में डीजल की कीमतें कम होंगी. ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमारे पूरे कंट्रोल और रूसी एनर्जी पर इस शानदार घोषणा की वजह से अमेरिकियों और पूरी दुनिया के लिए डीजल की कीमतें तेजी से और रिकॉर्ड स्तर पर कम होंगी. उन्होंने अमेरिकियों, खासकर किसानों, पशुपालकों और ट्रक ड्राइवरों के लिए कीमतें कम करने को अपनी ‘सबसे बड़ी प्राथमिकता’ बताया और फिर से कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा. वहीं, अमेरिका की रूस से इस डील पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने प्रतिक्रिया दी है. जेलेंस्की ने तनाव कम करने के किसी समझौते के बिना मॉस्को पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने की आलोचना की. सोशल मीडिया ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में, जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ और कड़े प्रतिबंध लगाने, यूक्रेन को लगातार समर्थन देने और संघर्ष को खत्म करने के लिए मॉस्को पर और ज्यादा दबाव बनाने की मांग की. उन्होंने लिखा कि शांति कभी भी कमजोरी से नहीं आती. आज अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधि दोनों पार्टियों के नेताओं का एक दल कीव में थे।

फ्लाईडुबई मामले: ओमान का सह-पायलट विमान तेल अवीव हवाई अड्डे पर गिराना चाहता था

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि फ्लाईडुबई के सह-पायलट का इरादा तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान को यात्री टर्मिनल में गिराना था। पिछले महीने उसने तेल अवीव जा रही फ्लाईडुबई की उड़ान के भारतीय कप्तान स्मित मच्छर पर चाकू से हमला किया था। यूएई के शीर्ष अभियोजक ने कहा कि उसका उद्देश्य अधिकतम मानवीय क्षति पहुंचाना था। सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम की तरफ से जारी बयान के मुताबिक उड़ान में सवार 174 यात्रियों में से अधिकांश इराकल से थे। सह-पायलट ने 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से प्रेरणा ली थी। सह-पायलट की पहचान 29 वर्षीय हमाम अल-हमामी के रूप में की गई है। यूएई के अटॉनी जनरल हमद सैफ अल शम्मी के मुताबिक, को-पायलट करीब 10 साल पहले ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई के दौरान कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित हुआ था. न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हमाम अल-हमामी 2015

से 2017 तक मेलबर्न के रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ा, लेकिन इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी नहीं की. जांच के मुताबिक, वह आतंकी संगठनों और आत्मघाती हमलों का समर्थन करने वाली किताबें और ऑनलाइन सामग्री देखने लगा था. उसे मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े समूहों का था. यूएई के शीर्ष अभियोजक ने कहा कि उसका उद्देश्य अधिकतम मानवीय क्षति पहुंचाना था। सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम की तरफ से जारी बयान के मुताबिक उड़ान में सवार 174 यात्रियों में से अधिकांश इराकल से थे। सह-पायलट ने 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से प्रेरणा ली थी। सह-पायलट की पहचान 29 वर्षीय हमाम अल-हमामी के रूप में की गई है। यूएई के अटॉनी जनरल हमद सैफ अल शम्मी के मुताबिक, को-पायलट करीब 10 साल पहले ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई के दौरान कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित हुआ था. न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हमाम अल-हमामी 2015

से 2017 तक मेलबर्न के रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ा, लेकिन इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी नहीं की. जांच के मुताबिक, वह आतंकी संगठनों और आत्मघाती हमलों का समर्थन करने वाली किताबें और ऑनलाइन सामग्री देखने लगा था. उसे मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े समूहों का था. यूएई के शीर्ष अभियोजक ने कहा कि उसका उद्देश्य अधिकतम मानवीय क्षति पहुंचाना था। सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम की तरफ से जारी बयान के मुताबिक उड़ान में सवार 174 यात्रियों में से अधिकांश इराकल से थे। सह-पायलट ने 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से प्रेरणा ली थी। सह-पायलट की पहचान 29 वर्षीय हमाम अल-हमामी के रूप में की गई है। यूएई के अटॉनी जनरल हमद सैफ अल शम्मी के मुताबिक, को-पायलट करीब 10 साल पहले ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई के दौरान कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित हुआ था. न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हमाम अल-हमामी 2015

भारत-अफ्रीका संबंध: 220 से अधिक विकास परियोजनाओं को समर्थन, सहयोग और आत्मनिर्भरता पर जोर

अदीस अबाबा, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच ऐतिहासिक साझेदारी को साझा एक-जुटता, समान अवसरों और आत्मनिर्भरता की भावना पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि भारत और अफ्रीका दोनों की विकास संबंधों प्राथमिकताएं औद्योगीकरण, आर्थिक प्रगति और अपने भविष्य को स्वयं निर्धारित करने की आकांक्षा से जुड़ी हैं। शुक्रवार को इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा स्थित अडवा मेमोरियल प्यूजियम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने दोनों पक्षों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की।



उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकासशील देशों को औद्योगीकरण के अवसर मिलने चाहिए और सस्ते सामान की अत्यधिक अमाद या बाजार तक पहुंच सीमित करने जैसे

कदम उनकी विकास यात्रा में बाधा नहीं बनने चाहिए। भारत और अफ्रीका के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत जयशंकर ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच बढ़ते व्यापार एवं निवेश संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों पक्ष कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। इसमें विनिर्माण, दूरसंचार, दवा उद्योग, ऊर्जा, खनन, कृषि, बुनियादी ढांचा, वित्तीय सेवाएं और सूचना प्रौद्योगिकी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता को लेकर भारत और अफ्रीका की साझा सोच इस दीर्घकालिक साझेदारी की मजबूत नींव है। दोनों पक्षों के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ अपनी

क्षमताओं को मजबूत करना और विकास की दिशा स्वयं तय करना महत्वपूर्ण है। अफ्रीका में 220 से अधिक विकास परियोजनाओं को भारत का समर्थन विदेश मंत्री ने बताया कि अफ्रीकी देशों के साथ हुए कहा कि दोनों पक्ष कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। इसमें विनिर्माण, दूरसंचार, दवा उद्योग, ऊर्जा, खनन, कृषि, बुनियादी ढांचा, वित्तीय सेवाएं और सूचना प्रौद्योगिकी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता को लेकर भारत और अफ्रीका की साझा सोच इस दीर्घकालिक साझेदारी की मजबूत नींव है। दोनों पक्षों के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ अपनी

जयशंकर के अनुसार, भारत ने बिजली उत्पादन, विद्युत परीक्षण, जल प्रबंधन, कृषि, रेलवे, स्वास्थ्य सेवाओं, विनिर्माण और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में 220 से अधिक परियोजनाओं का समर्थन किया है।

पनामा में भूकंप के दो शक्तिशाली झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.7 और 6.6, कई इमारतें गिरीं



कोलंबिया और इक्वाडोर के लिए सभ्यता विनाश की चेतावनी जारी की है. दूतावास ने कहा कि तट के पास तेज और असामान्य धाराएं और अचानक पानी का तेज बहाव (सर्जेंस) हो सकता है.इसके साथ ही, प्रभावित इलाकों में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी गई कि वे क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहें और ताजा

जानकारी के लिए स्थानीय आपातकालीन प्रसारण और आधिकारिक निदेशों पर नजर रखें. दूतावास ने लोगों से कहा कि वे नुकसान वाली जगहों पर न जाएं और क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश करने से बचें. साथ ही, तटीय इलाकों में रहने वालों को ऊंचे स्थानों पर जाने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों

का पालन करने की सलाह दी गई. इसके अलावा, लोगों को बिजली और संचार व्यवस्था ठप होने की संभावना के लिए तैयार रहने को भी कहा गया. अभी तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक भूकंप का असर राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया है. लोग डर के चलते घरों से बाहर आ गए और खुले स्थानों पर आकर तमाम जानकारीयों का इंतजार करने लगे. अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, सीबीएस न्यूज ने रिपोर्ट किया कि शुक्रवार को सुबह पनामा के दक्षिणी छोर के पास 7.7 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे राजधानी में 100 मील से

अधिक दूर तक इमारतें हिल गईं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके बाद दिन में कई झटके आए और फिर 6.6 तीव्रता का एक और शक्तिशाली भूकंप आया। दो शक्तिशाली भूकंप के बाद पनामा के लोगों में दहशत का माहौल है। भूकंप का असर पनामा की राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया। भूकंप से कई इमारतों को नुकसान हुआ है। लोगों के घरों को दीवारों पर दरारें पड़ गईं। लोग डर के कारण घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। रात भर लोग खुले स्थानों पर खड़े रहे। लोग सुबह तक घरों के बाहर ही रहे और हालात की जानकारी का इंतजार करते रहे।